वर्ष -10, अंक -02, पृष्ठ- 8 मूल्य : 02 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज , गुरुवार, 29 फरवरी, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन के खिलाफ पुलिस में शिकायत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बेंगलुरु। कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। राज्य में कांग्रेस के तीन उम्मीदवार अजय माकन, नसीर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर ने जीत दर्ज की। इस बीच कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार देर रात राज्यसभा सांसद नसीर हुसैन के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने हुसैन के खिलाफ

कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। राज्य में कांग्रेस के तीन उम्मीदवार अजय माकन नसीर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर ने जीत दर्ज की। इस बीच कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार देर रात राज्यसभा सांसद नसीर हुसैन के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने हुसैन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि सांसद हुसैन के समर्थकों ने उनकी जीत का जशन मनाते हुए विधानसभा परिसर में कथित तौर पर देश विरोधी नारे लगाए। भाजपा एमएलसी एन. रविकुमार और पार्टी विधायक और मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा पाटिल ने नसीर हुसैन और उनके समर्थकों के खिलाफ विधान सौधा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। विधान सौध में 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव के बाद नसीर हुसैन और उनके समर्थक मतगणना स्थल के पास जमा हो गए थे। भाजपा ने आरोप लगाया है कि शाम 7 बजे रिटर्निंग ऑफिसर के नसीर हुसैन की जीत की घोषणा करते ही कांग्रेस नेता के कहने पर समर्थकों ने उनकी जय-जयकार करते हुए जोर-जोर से ठपाकिस्तान जिंदाबादठ के नारे लगाए।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या के मामले में बरी दोषी संथन की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चेन्नई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में रिहा किए गए दोषी संथन की मौत हो गई है। संथन ने चेनन्ई के राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल में अंतिम सांस ली है पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में रिहा किए गए दोषी संथन की मौत हो गई है। संथन ने चेनन्ई के राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल में अंतिम सांस ली है। उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी हत्या मामले में दोषी ठहराए गए संथन को साल 2022 में बरी कर दिया गया था। संथन श्रीलंकाई नागिरक था। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या के मामले में बरी किए गए दोषी संथन का चेनन्ई के राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान संथन की मौत हो गई उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी हत्या मामले में दोषी ठहराए गए संथन को साल 2022 में बरी कर दिया गया था। संथन श्रीलंकाई नागिरक था अस्पताल के एक अधिकारी के अनुसार, संथन को लीवर से संबंधित बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था डॉक्टरों के अनुसार, बुधवार सुबह संथन ने राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल में अंतिम सांस ली।

पीएम मोदी के नेतृत्व में चीन का वास्तविक विकल्प है भारत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ

पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार नई ऊंचाई छू रहे हैं, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) बढ़ रहा है। बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, वहीं चीन आर्थिक संकट से जूझ रहा है। चीनी शेयर बाजार मंदी का सामना कर रहे हैं। भारत में युवा आबादी से लेकर निवेश के अनुकूल बहुत कुछ है। निवेश के लिए दुनिया भारत की तरफ देख रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को उम्मीद है कि अगले वित्तीय वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी जबकि चीन की विकास दर 4.6 प्रतिशत रहेगी। जेफरीज के विश्लेषकों को उम्मीद है कि देश 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बन जाएगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का भविष्य उज्जवल है।

आईपीएस मनोज शर्मा के गांव वाले स्कूल ने दीवार पर लिखा, आप हमारे आदर्श है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा के जीवन पर बनी फिल्म 12वीं फेल ने लोगों को काफी प्रेरित किया है। फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद मनोज शर्मा ने एक्स पर लिखा, ठदुनिया के किसी भी कोने पर आपका नाम लिख दो पर सबसे बड़ा सुख तो तभी आता है जब आपके गांव वाले स्कूल की दीवार पर आपके लिए कुछ अच्छा लिखा जाये। मनोज शर्मा ने दो फोटो

पोस्ट की हैं। इसमें से एक में स्कूल की दीवार पर उनकी प्रशंसा के शब्द लिखे हुए हैं। बोर्ड पर लिखा गया है कि मनोज शर्मा ने कड़ी मेहनत और समर्पण से अपना मुकाम हासिल किया है।'गांव के गौरव' शीर्षक से दीवार पर आगे लिखा, ठइस गांव विलगांव चौधरी के बेटे मनोज शर्मा आज भारतीय प्रशासनिक सेवा में अधिकारी हैं। इन्होंने यह मुकाम कठोर परिश्रम लगन और दिन-रात की मेहनत से हासिल किया है। आप हम सभी के लिये आदर्श हैं। आपसे हमें प्रेरणा मिलती है कि कठोर परिश्रम से और लगन से बड़े से बड़ा लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता।वहीं, दूसरी फोटो में मनोज शर्मा के स्कूल का मुख्य द्वार है, जिसपर उसका नाम लिखा हुआ है।

एक सुखद खबर एक्स पर शेयर की है। उन्होंने अपने गांव के स्कूल से संबंधित एक पोस्ट शेयर करते हुए इसे 'सबसे बड़ी खुशी' बताया। आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा के जीवन पर बनी फिल्म 12वीं फेल ने लोगों को काफी प्रेरित किया है। फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद मनोज शर्मा ने एक सुखद खबर एक्स पर शेयर की है। उन्होंने अपने गांव के स्कूल से संबंधित एक पोस्ट शेयर करते हुए इसे सबसे बड़ी खुशी बताया। शर्मा जिस स्कूल से पढ़े थे उस स्कूल ने उनके जीवन के संघर्ष को प्रेरणा बताया है दरअसल, मनोज शर्मा अपने गांव के जिस स्कूल से पढ़े थे, उस स्कूल ने मनोज के जीवन के संघर्ष को एक प्रेरणा बताया है। स्कूल की दीवारों पर लिखी गई बातों की फोटो शेयर करते हुए उन्होंने

राष्ट्रपति पांच मार्च को देंगी पहले पेयजल स्वच्छता के अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।देश में पहली बार शहरों में पेयजल सर्वेक्षण अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच मार्च को उन राज्यों और शहरों को सम्मानित करेंगी जिन्होंने पेयजल की आपूर्ति में

उल्लेखनीय कार्य किया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पेयजल के मामले में अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर कुल 130 अवॉर्ड दिए जाएंगे। देश में पहली बार शहरों में पेयजल सर्वेक्षण अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच मार्च को उन राज्यों और शहरों को सम्मानित करेंगी जिन्होंने पेयजल की आपूर्ति में उल्लेखनीय कार्य किया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पेयजल के मामले में अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर कुल 130 अवॉर्ड दिए जाएंगे। कई राज्यों और शहरों ने अपने निवासियों को स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल जल संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में अहम पहल की है।

संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए विपक्ष ने उत्तर-दक्षिण को बांटा', राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सिर्फ उत्तर केंद्रित पार्टी नहीं है और उत्तर-दक्षिण के बीच रेखा विपक्ष ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए खींची है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बदनाम करने के ऐसे प्रयास राष्ट्रीय अखंडता पर सवालिया निशान लगाते हैं आंध्र प्रदेश में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलनों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सिर्फ उत्तर केंद्रित पार्टी नहीं है और उत्तर-दक्षिण के बीच रेखा विपक्ष ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए खींची है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बदनाम करने के ऐसे प्रयास राष्ट्रीय अखंडता पर सवालिया निशान लगाते हैं। राजनाथ ने कहा भाजपा विभिनन्‍राज्यों समेत दक्षिणी राज्य कर्नाटक में शामिल रही है।आंध्र प्रदेश में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलनों में राजनाथ ने कहा, भाजपा विभिनन्‍ राज्यों की सत्ता में रही है जिनमें दक्षिणी राज्य कर्नाटक शामिल है। अक्सर आरोप लगाया जाता है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारत की पार्टी है या भाजपा सिर्फ हिंदी पट्टी की पार्टी है, लेकिन भाजपा ने असम में दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। असम हिंदी पट्टी का राज्य नहीं है पार्टी राजस्थान और गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों में लगभग तीन-चार दशकों से प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा

रही है और पिछले लोकसभा चुनावों में पश्चिम भारत में उसे अधिकतम सीटें प्राप्त हुई थीं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, 'गुजरात में 30 वर्षों से हमारी सरकार है। कर्नाटक में लंबे समय तक हमारी सरकार रही। वर्तमान में हम बंगाल, ओडिशा व कर्नाटक में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल में हमारा मत प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। इसलिए यह कहना तथ्यात्मक रूप से बिल्कुल गलत है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारतीयों की पार्टी है।' राजनाथ ने कहा, 'दक्षिण भारत की समृद्धता के आंकड़े दिखाकर हमारे विपक्ष के सहयोगी कई बार उत्तर व दक्षिण भारतीयों के बीच विद्वेष दिखाने का प्रयास करते हैं उन्होंने कहा कि उत्तर व दक्षिण भारत में कुछ विभिनन्‍ ढांचागत मुद्दे हैं और हमारे प्रयास दोनों को साथ लाकर कुछ अच्छा और बढ़ा करने का होना चाहिए। हमारा प्रयास दोनों को और ज्यादा जोड़ने का होना चाहिए, न कि दोनों को भाषा एवं समृद्धता के नाम पर तोड़ने का। रक्षा मंत्री ने कहा, 'कुछ लोग भाजपा पर सांप्रदायिक पार्टी होने का आरोप लगाते है, जबकि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पंथनिरपेक्ष पार्टी है। पांच अरब देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है और भारत अब कमजोर देश नहीं है। यह अब दुनिया में एक ताकतवर देश बन गया है। अब अगर कोई भारत को आंख दिखाएगा तो उसे जवाब देने में देश पीछे नहीं रहेगा। अब कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी मानते है कि 21वीं सदी भारत की होने जा रही है।

अगले महीने तक निपटा लें सुकन्या अकाउंट धारक यह काम, वरना बंद हो जाएगा खाता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार द्वारा कई

स्कीम चलाई जा रही है। इन स्कीम में से एक सुकन्या समृद्धि योजना भी है। यह एक इन्वेस्टमेंट स्कीम है। इसमें आप अपनी बेटी की पढ़ाई के साथ शादी के लिए निवेश कर सकते हैं। सरकार ने बेटियों के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की है। यह एक इन्वेस्टेमेंट स्कीम है। इसमें आप अपनी बेटी की पढ़ाई और शादी के लिए निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में आपको हर साल मिनिमम बैलेंस मैंटेन करना होता है। अगर हर साल इस स्कीम में साल में मिनिमम बैलेंस नहीं भरते हैं तो आपका अकाउं फ्रीज हो जाता है।

जमीन के बदले नौकरी घोटालाः सीबीआई को अंतिम आरोपपत्र दाखिल करने के लिए मिले दो सप्ताह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मामले में अदालत

ने सीबीआई को अंतिम आरोप पत्र दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद मामले को 14 मार्च को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मामले में अदालत ने सीबीआई को अंतिम आरोप पत्र दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद मामले को 14 मार्च को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को सूचित किया कि उसकी जांच निष्कर्ष के करीब है।

पहाड़ों पर बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में बढ़ाई ठंड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।उत्तर भारत में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। मंगलवार को पहाड़ी क्षेत्रों में हुई बारिश और बर्फबारी का असर

मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिला है। दिल्ली-एनसीआर में अचानक ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में आज बारिश की संभावना जताई है।पहाड़ी क्षेत्रों पर हुई बर्फबारी से मैदानी इलाकों में सुबह-शाम के समय ठंड का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश को लेर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार हिमाचल प्रदेश जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में तीन मार्च तक बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा छ्ष्ठ-ने मैदानी क्षेत्रों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को दिल्ली-र्दें का मौसम साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हालांकि, एक और दो मार्च मार्च को दिल्ली-र्दें के क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही तेज हवाओं के चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने यूपी के कई जिलों में आज हल्की बारिश की संभावना जताई है। साथ ही इस दौरान तेज हवाओं के भी चलने का अनुमान है। वहीं, बिहार में अगले 24 घंटों के दौरान हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। छ्ष्ठ- ने कहा कि पटना, रोहतास, भभुआ, कैमूर औरंगाबाद, अरवल जिले में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में अगले दो दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान कुछ जगहों पर आंशिक बादल छाने के आसार हैं। हालांकि, शुक्रवार और शनिवार को पहाड़ी क्षेत्रों पर भारी हिमपात की संभावना जताई गई है। इसे लेकर ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

माकपा ने केरल की 15 लोकसभा सीटों पर की उम्मीदवारों की घोषणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तिरुअनंतपुरम। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की प्रमुख साझीदार माकपा ने मंगलवार को केरल की 20 में से 15 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे

(एलडीएफ) की प्रमुख साझीदार माकपा ने मंगलवार को केरल की 20 में से 15 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी और इनमें राज्य के पूर्व मंत्री केके शैलजा टीएम थॉमस इसाक समेत चार विधायक भी शामिल हैं। एलडीएफ के सहयोगियों भाकपा और केरल कांग्रेस (एम) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी थी। इनमें राज्य के पूर्व मंत्री केके शैलजा, टीएम थॉमस इसाक समेत चार विधायक भी शामिल हैं। एलडीएफ के सहयोगियों भाकपा और केरल कांग्रेस (एम) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी थी। माकपा के नेतृत्व वाले वाम मार्चे ने 2019 के आम चुनाव में महज एक सीट जीती थी। पार्टी के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने पत्रकार वार्ता में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश में भाजपा विरोधी लहर बन चुकी है और धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ताकतों का उद्देश्य भाजपा को सत्ता से बाहर करना है। उन्होंने वायनाड से सांसद राहुल गांधी फैक्टर को इस बार निष्प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मंत्री के. राधाकृष्णन समेत चार विधायकों को भी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। आम चुनाव में दिग्गज थॉमस इसाक पथानामथिट्टा और शैलजा वडकारा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा सांसद एएम आरिफ अलाप्पुझा सीट से दोबारा चुनाव लड़ेंगे और राज्यसभा सदस्य एलामाराम करीम कोझिकोड से चुनावी मैदान में उतरेंगे।

'केरल से बाहर कांग्रेस-कम्युनिस्ट गहरे दोस्त' पीएम मोदी का कांग्रेस व कम्युनिस्ट पार्टी पर कटाक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तिरुअनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के खिलाफ किलेबंदी में जुटी कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर मंगलवार को कटाक्ष किया। कहा-केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक-दूसरे के दुश्मन हैं, लेकिन अन्य राज्यों में वे बीएफएफ (बेस्ट फ्रेंड फॉरएवर) हैं यानी हमेशा ने कांग्रेस व कम्युनिस्ट पार्टी पर देश की प्रगति के लिए कोई रोडमैप न होने का तंज कसा। यहां सेंट्रल एक साथ बैठते हैं। समोसे, बिस्कुट और चाय उड़ाते हैं। वे तिरुअनंतपुरम में कुछ और कहते हैं और दिल्ली में वे कुछ और केरल के लोग आगामी लोकसभा चुनावों में इस विश्वासघात का करारा जवाब अंकों में सीटों के साथ आशीर्वाद देने का अनुरोध किया। मोदी ने कहा कि भाजपा कभी भी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती है। मोदी ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में केरल को भी अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह केंद्र की विकास योजनाओं का लाभ मिला है।

के लिए अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के खिलाफ किलेबंदी में जुटी कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर मंगलवार को कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक-दूसरे के दुश्मन हैं लेकिन अन्य राज्यों में वे बीएफएफ (बेस्ट फ्रेंड फॉरएवर) हैं। भाजपा की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह में मोदी देंगे। कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने गांधी परिवार का संदर्भ दिया। कहा- सबसे पुरानी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड दिखाता है कि कैसे इस पर एक परिवार का नियंत्रण है। उन्होंने आरोप लगाया कांग्रेस के लिए उस परिवार के हित देश के अन्य सभी परिवारों से ऊपर हैं। मोदी ने केरल के लोगों से 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को दोहरे उन्होंने कहा कि केरल के लोगों के सपनों और उम्मीदों को साकार करने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करना उनकी गारंटी है। पीएम ने कहा कि यह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ-साथ देश से गरीबी और भ्रष्टाचार खत्म करने की मोदी की गारंटी है।

डाक पंजीयन नं. AD -326/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com –E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com आधुनिक समाचार

मित्रता हो तो कृष्ण - सुदामा जैसी देवी जया गौतम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

बारा प्रयागराज। तहसील मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथावक्ता देवी जया गौतम मनोहारी वर्णन किया। मुख्य यजमान रामविशाल शुक्ल एवं सुमित्रा देवी ने भागवत भगवान की दिव्य आरती उतारी और उपस्थित श्रोताओं का आभार जताया। इस

ने भगवान की अनेक लीलाओं में श्रेष्ठतम रासलीला का वर्णन करते हुए कहा कि जीव का शिव से मिल जाना ही तो रास है। यह काम को बढ़ाने की नहीं, बल्कि काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है। इस कथा में कामदेव ने भगवान पर खुले मैदान में अपने पूरे सामर्थ्य के अनुसार आक्रमण किया है, लेकिन वह भगवान को पराजित नहीं कर सका। सुदामा कृष्ण की मित्रता का अवसर पर अरुण कुमार केसरवानी, सूर्यमणि मिश्रा, संतोष जायसवाल, ब्रिजेश त्रिपाठी, शिवबाबू केसरवानी, राजेश मिश्र, सतीश ओझा, शिवओम मिश्र, सुमन्त भार्गव रामचंद्र शुक्ल, रामचन्द्र मिश्र, गंगाप्रसाद मिश्र, पंकज केसरवानी, अनिल उपाध्याय, योगेश शुक्ल एवं प्रभाकांत मिश्रा सहित समस्त शुक्ला परिवार व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सप्त दिवसीय विशेष शिवर का किया गया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नैनी प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रयागराज नैनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम तथा इकाई द्वितीय के सामूहिक तत्वधान में सप्त दिवसीय विशेष शिविर का उदघाटन हुआ ,जिसका विषय ठस्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, सुदृढ़ भारतठ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ आए हुए अतिथियों का स्वागत व माल्यार्पण द्वारा किया गया। इसके पश्चात का राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुरेश कुमार पटेल ने एनएसएस द्वारा अब तक किए गए कार्यों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्राचर्य प्रो ओम प्रकाश ने छात्रो को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान प्राप्त होता है, जिसके कारण वह समाज के विकास तथा उसकी उन्नति में अपना पूर्ण रूप से योगदान दे पाते

है । प्रो मंजू लता ने बच्चों को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए बताया कि हर एक व्यक्ति को सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए तथा सामूहिक रूप से एकत्रित होकर कार्य को करना चाहिए । महाविद्यालय की गृह विज्ञान विभाग प्रभारी व परीक्षा प्रभारी प्रो नीतू सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि छात्रों के शिक्षित होने से समाज का विकास होता है और समाज का विकास होने पर ही सुदृढ़ भारत का निर्माण होगा तथा कैंप के दौरान स्वयंसेवियों को अनुशासित रहने व भाईचारे की भावना को विकसित करने पर बल दिया। वरिष्ठ प्राध्यापक, शास्ता मंडल प्रभारी प्रोफेसर ए के झा ने कहां कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों को से कर्मठता कार्य करना तथा समाज के प्रति जागरूक होना होगा तभी कैंप की सार्थकता सिद्ध होगी। अपने सुझाव में कहा कि शिक्षा, संस्कृति और संस्कार का भी एक पाठ अवश्य प्रत्येक कैंप में होना चाहिए।

भाजपा के लिए कुर्बानी नहीं, मेरा वोट सीएम योगी के लिए हृदय से आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। सपा विधायक पूजा पाल ने कहा कि उन्होंने सपा से बगावत नहीं की है, बल्कि अपने मताधिकार का प्रयोग अपनी अंतर्रात्मा की आवाज पर किया है। उनका यह वोट सीएम योगी आदित्यनाथ के लिए हृदय से आभार था। मंगलवार को राज्यसभा की 10 सीटों पर चुनाव में भाजपा के आठवें उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर चायल की सपा विधायक पूजा पाल सियासी

गलियारों में सुर्खियों में आ गई हैं। पूजा पाल ने अब सपा छोड़ भाजपा में शामिल होने के संकेत दिए हैं। उनकी बातों में साफगोई भी है और सियासत भी। दूसरे खेमे में जाने के बाद भी वह कहती हैं कि उन्होंने सपा से बगावत नहीं की है। पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर भाजपा उम्मीदवार को वोट करने वाली पूजा पाल ने मंगलवार शाम अमर उजाला से अपनी भावनाएं साझा कीं।वह कहती हैं कि वोट हर व्यक्ति का अधिकार होता है। उन्होंने पार्टी से बगावत नहीं की है। पार्टी से बागी होकर भाजपा उम्मीदवार को मतदान के सवाल पर वह कहती हैं कि इस वोट के जरिये मैंने अपने और अपने समाज की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद व्यक्त किया है। इस समय उनका आभार जताने का इससे बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं हो सकता था। वजह पूछने पर पूजा पाल भावुक हो गईं। वह कहती हैं कि विधायक पति राजू पाल की दिनदहाड़े हत्या के बाद मैं 18 साल से आतंक के खिलाफ संघर्ष कर रही थी।पति को न्याय दिलाने के लिए परेशान होती रही। अंततः योगी सरकार ने अतीक और अशरफ के आतंक का अंत कर दिया। शहर पश्चिमी मेरी सीट रही है। 2007 के बाद से मैंने अतीक-अशरफ को वहां वापसी नहीं करने दी।

माफिया अतीक अहमद की सात करोड़ की संपत्ति मिली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। खास बात यह है कि पूर्व में खोजी गई संपत्तियों की तरह अतीक ने इसे किसी और नहीं बल्कि अपने ही नाम पर जबरन लिखाया था। 20

अप्रैल 2006 में इस जमीन का बैनामा उसने अपने हक में कराया था। डीसीपी नगर दीपक भूकर के नेतृत्व में कमिश्नरेट पुलिस की एक टीम लगातार माफिया की अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाने में जुटी है।खास बात यह है कि पूर्व में खोजी गई संपत्तियों की तरह अतीक ने इसे किसी और नहीं बल्कि अपने ही नाम पर जबरन लिखाया था। 20 अप्रैल 2006 में इस जमीन का बैनामा उसने अपने हक में कराया था। डीसीपी नगर दीपक भूकर के नेतृत्व में कमिश्नरेट पुलिस की एक टीम लगातार माफिया की अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाने में जुटी है।खास बात यह है कि पूर्व में खोजी गई संपत्तियों की तरह अतीक ने इसे किसी और नहीं बल्कि अपने ही नाम पर जबरन लिखाया था। 20 अप्रैल 2006 में इस जमीन का बैनामा उसने अपने हक में कराया था। डीसीपी नगर दीपक भूकर के नेतृत्व में कमिश्नरेट पुलिस की एक टीम लगातार माफिया की अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाने में जुटी है।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष ने थाने में अधिवक्ता की पिटाई का मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष उठाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार अध्यक्ष अशोक सिंह ने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की। कोषाध्यक्ष ने भी इसी मामले में पत्र लिखा है। कहा कि बिना प्राथमिकी के दरोगा गैर कानूनी तरीके से घर से उठा ले गया। थाने में बेरहमी से पिटाई की गई। शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस मामले में कोर्ट बुधवार को सुनवाई कर सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता अमरजीत सिंह की थाने में पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली की पीठ के समक्ष मामले को प्रस्तुत कर

कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार मिश्र ने भी मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है।अध्यक्ष ने मंगलवार को इस मामले को मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया। कहा कि सिविल लाइंस और कर्नलगंज थाने में दो अधिवक्ताओं की पुलिस ने पिटाई की। यह पुलिस की शक्तियों का दुरुपयोग है। अध्यक्ष ने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों को कोर्ट तलब कर और उसके अनुसार कार्रवाई करे।

अखिलेश के व्यवहार से दूरी बना रहे समाजवादी नेता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। मुलायम सिंह यादव के साथ सपा को आगे बढ़ाने वाले पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव सपा के नेताओं को एकजुट नहीं रख पा रहे हैं। उनकी संवादहीनता और व्यवहार से तमाम नेता पार्टी से दूरी बना रहे हैं। इलाहाबाद से दो बार सांसद और करछना से सात बार विधायक रहे रेवती रमण सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव किसी की नहीं सुनते। वह मन की कर रहे हैं।राज्यसभा चुनाव में सपा के सात विधायकों के क्रॉस वोटिंग के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व महासचिव रेवती रमण सिंह ने पूर्व सीएम अखिलेश यादव को कटघरे में खड़ा किया है। रेवती ने कहा कि अखिलेश के व्यवहार से पार्टी के तमाम नेता उनसे दूरी बना रहे हैं। उनकी खुद अखिलेश यादव से ढाई वर्ष से बातचीत नहीं हुई है।मुलायम

सिंह यादव के साथ सपा को आगे बढ़ाने वाले पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव सपा के नेताओं को एकजुट नहीं रख पा रहे हैं। उनकी संवादहीनता और व्यवहार से तमाम नेता पार्टी से दूरी बना रहे हैं। इलाहाबाद से दो बार सांसद और करछना से सात बार विधायक रहे रेवती रमण सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव किसी की नहीं सुनते। वह मन की कर रहे हैं।अपने आवास में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, अखिलेश दूसरे दलों से गठबंधन करते हैं, लेकिन अपनी पार्टी के नेताओं को नहीं संभाल पा रहे। तमाम नेता दूसरे दलों में जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में भी नतीजा दिख गया। रेवती ने दावा किया कि वह अखिलेश यादव को अपने बच्चे की तरह मानते हैं, लेकिन उन्होंने ढाई साल से बात तक नहीं की है। कहा, मुलायम सिंह यादव के साथ मैंने सपा को बढ़ाने में खून पसीना लगाया हगठबंधन में इलाहाबाद सीट कांग्रेस को सौंपे जाने के सवाल पर रेवती ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि कांग्रेस ने फूलपुर सीट मांगी थी, लेकिन अखिलेश ने इलाहाबाद संसदीय सीट कांग्रेस को दे दी। कहा, अखिलेश को इस बारे में मुझसे बात जरूर करनी चाहिए थी। भाजपा या कहीं और जाने के बारे में पूछने पर रेवती ने कहा, बेहतर विकल्प मिला तो देखेंगे।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

कानूनन अधिग्रहित भूमि की सारी संपत्ति सरकार की ध्वस्तीकरण रोकने की मांग खारिज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज।याची अधिवक्ता का कहना था कि अर्जेंसी क्लॉज में 2006 में उसकी जमीन का अधिग्रहण किया गया। प्राधिकरण ने कब्जा भी ले लिया और अवार्ड भी घोषित कर दिया गया है। उसने अवार्ड व अधिग्रहण को चुनौती नहीं दी है। केवल 24 अप्रैल 2010 के शासनादेश के आधार पर अधिग्रहीत जमीन पर आबादी एरिया अलग करने की मांग की है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि सरकार ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए भूमि अधिग्रहण किया और अवार्ड घोषित कर कब्जा ले लिया है तो उस भूमि पर हुए निर्माण को हटाने के लिए किसी अलग कानूनी प्रक्रिया को अपनाने की जरूरत नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति एसक्यूएचआर रिजवी की खंडपीठ ने दीपक शर्मा की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची ने ग्रेटर नोएडा, दादरी के गांव तुसियान की अधिग्रहीत जमीन पर बनी छह दुकानों के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग की कब्जे में हस्तक्षेप से रोका जाए।प्राधिकरण की अधिवक्ता अंजली उपाध्याय का कहना था

थी।याची अधिवक्ता का कहना था कि अर्जेंसी क्लॉज में 2006 में उसकी जमीन का अधिग्रहण किया गया। प्राधिकरण ने कब्जा भी ले लिया और अवार्ड भी घोषित कर दिया गया है। उसने अवार्ड व अधिग्रहण को चुनौती नहीं दी है। केवल 24 अप्रैल 2010 के शासनादेश के आधार पर अधिग्रहीत जमीन पर आबादी एरिया अलग करने की मांग की है। इसलिए बेदखली व उसके कि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा अवार्ड भी घोषित किया जा चुका है। प्राधिकरण ने जमीन अपने कब्जे में ले ली है। अब जमीन पर याची का कोई अधिकार नहीं है। याची का कहना था कि कानूनी प्रक्रिया अपनाकर ही बेदखल किया जाए। कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत ही अधिग्रहण किया गया है। संपत्ति सरकार में निहित हो चुकी है। अलग से कानूनी प्रक्रिया की मांग भ्रामक है।

सात फेरों के बाद दूल्हे की करतूत देख दुल्हन ने साथ जाने से किया इनकार

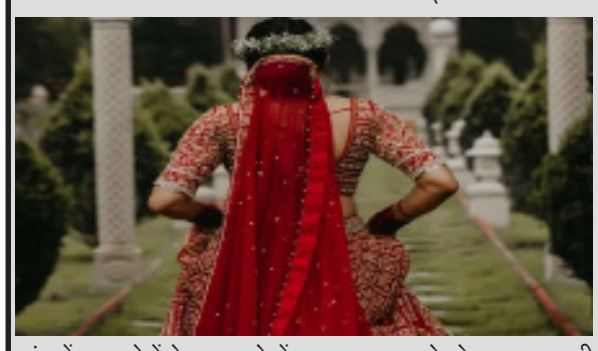

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
भदोही। भदोही में शादी समारोह के दौरान पहले डीजे को लेकर बरातियों-घरातियों के बीच विवाद हुआ, फिर किसी तरह समझौता कर शादी संपन्न कराई गई। इसके बाद दुल्हन ने दूल्हे पर शराब पीने का आरोप लगा साथ जाने से इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिले के ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन जमकर विवाद हुआ। किसी तरह मान मन्नौव्वल के बाद शादी संपन्न कराया गया, लेकिन मंडप में भी नशे में धुत रहे दूल्हे को देखकर दुल्हन ने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि बरातियों को बंधक भी बना लिया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात नवधन गांव की वनवासी बस्ती के एक परिवार में प्रयागराज जिले से बरात आई थी। जनवासे से

गांव में सात फेरों के बाद नशे में धुत शराबी दूल्हे के साथ जाने से दुल्हन ने इनकार कर दिया। पहले डीजे पर नाचने को लेकर बरातियों और घरातियों के बीच बारात उठाने के बाद बराती नाचते-गाते दुल्हन के घर पहुंचे। इस दौरान डीजे पर डांस को लेकर घरातियों और बरातियों के बीच विवाद हुआ

सपा में शामिल हुए गुड्डू जमाली अखिलेश बोले- पीडीए परिवार बढ़ने के साथ ही भाजपा का डर बढ़ रहा है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
लखनऊ।बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली बुधवार को सपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कहा कि मैंने किसी लोभ-लालच में यह फैसला नहीं लिया है। मैंने सोच समझकर यह निर्णय लिया है। आज देश के जो हालात हैं उसके

पूरी शिद्दत से पीडीए को मजबूत करने का काम करेंगे। बताया जा रहा है कि इस निर्णय से सपा का आजमगढ़ का किला मजबूत होगा।राज्यसभा चुनाव में झटका खाने के बाद सपा फिर से आजमगढ़ के किले को मजबूत करने में जुट गई है। बुधवार को बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली सपा में शामिल हो गए। इस मौके पर उन्होंने लिए यह एक जरूरी निर्णय है।उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर हिंदू समाज के लोगों का अहसान है। मेरे 90 फीसदी दोस्त हिंदू हैं। मैं सोच भी नहीं सकता है कि हिंदू-मुसलमान को लड़ाया जा सकता है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से कहा कि मैं जिंदगी भर सपा में ही रहूंगा और पीडीए को मजबूत करने का काम करूंगा।

यूपी के कई जिलों को साइबर सेल की सौगात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
वाराणसी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार होने से प्रदेश की छवि बदली है। पहले कोई यूपी आना नहीं चाहता था पर अब दुनिया भर से निवेशक यूपी आ रहे हमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है जिससे कि प्रदेश की छवि बदली है। पहले

यूपी के लोगों के सामने पहचान का संकट था अब बाहर जाने पर प्रदेश के लोगों को सम्मान की नजरों से देखा जाता है।मुख्यमंत्री योगी सोमवार को लखनऊ के लोकभवन में उत्तर प्रदेश पुलिस अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु निर्माण कार्यों के लोकार्पण/शिलान्यास तथा विभिन्न जनपदों में थानों व साइबर सेल के शुभारंभ के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि खराब कानून व्यवस्था के कारण पहले कोई यूपी में आना नहीं चाहता था अब दुनिया भर से निवेशक प्रदेश में आ रहे हैं क्योंकि अब उनकी जान और माल सुरक्षित है।

पूर्व विधायक की सादगी पद सम्मान रहते भी बेटों को एक स्थायी छत नहीं मयस्सर करा सके

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
वाराणसी ।कैबिनेट मंत्री रहे टीएन मिश्रा ने पूरा जीवन समाज को समर्पित कर दिया, परिवार के पास सिर छिपाने की जगह तक नहीं। सहजनवां के पूर्व विधायक टीएन मिश्र के दोनों पुत्र शहर के सिविल लाइंस में किराए के मकान में रहते हैं। इस मकान को लेकर भी विवाद चल रहा है।पुत्रों का कहना है कि घर छिना तो सड़क पर आ जाएंगे।पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के करीबी और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे पं. रामकृष्ण द्विवेदी के दामाद और पूर्व विधायक त्रियुगी नारायण मिश्र (टीएन मिश्रा) के परिवार की आवभगत में कभी पूरा सरकारी अमला चलता था, मगर आज सड़क पर आने की नौबत है।सहजनवां से कांग्रेस के टिकट पर विधायक रहे टीएन मिश्रा का परिवार आज मुफलिसी के दौर से गुजर रहा है। दोनों बेटों का परिवार विश्वविद्यालय चौराहे के नजदीक स्थित जिस किराए के मकान में रहता है, उस पर भी विवाद चल रहा है। दूसरा पक्ष मकान खाली कराने का दबाव बनाए हुए है। पूर्व विधायक के परिजनों का कहना है कि अगर मकान खाली कराया गया तो सड़क पर दिन गुजारने की नौबत आ जाएगी..।कैबिनेट मंत्री रहे पं. रामकृष्ण द्विवेदी के दामाद त्रियुगी नारायण मिश्र (टीएन मिश्रा) सहजनवां क्षेत्र के सीहापार टड़वा

आज ऐसे दुर्दिन दिन आए कि उनका सामान भी आवंटित हुए घर से निकालकर बाहर फेंक दिया गया। लंबे अरसे लालबत्ती से घिरे रहे पूर्व विधायक टीएन मिश्रा परिवार के लिए इतना भी नहीं छोड़ गए कि जीवन यापन भी हो सके। खुर्द गांव के रहने वाले थे। वह सहजनवां से कांग्रेस के विधायक चुने गए थे। टीएन मिश्र के छोटे पुत्र दिनेश मिश्र बताते हैं कि मंगलम टॉवर में नाना (पं. रामकृष्ण द्विवेदी) के नाम से मकान आवंटित था। हमारा परिवार वहीं रहता था।

जब्त किए गए 28 ऊंट हुए गायब, पुलिस के हाथ जीरा भी नहीं लगा

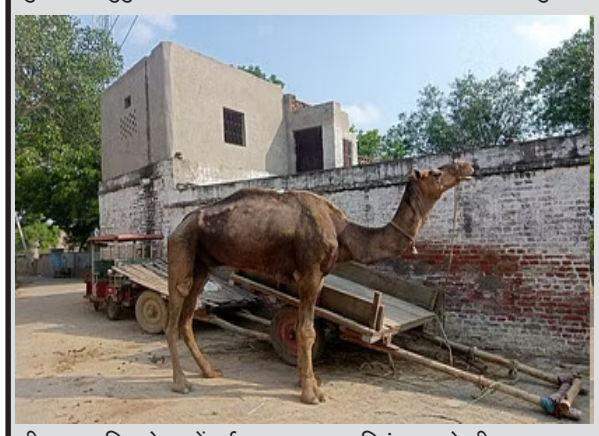

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
मेरठ।मेरठ पुलिस द्वारा कुर्बानी पर प्रतिबंध बताकर पकड़े गए 28 ऊंट गायब हो गए। हाईकोर्ट के आदेश पर चार साल बाद पुलिस इन ऊंटों को ढूंढने निकली तो जिस युवक को सुपुर्दगी दी गई थी, वह में सिटी मजिस्ट्रेट ने लिसाड़ीगेट पुलिस को बुधवार को तलब किया है।अगस्त 2019 में बकरीद पर कुर्बानी के लिए लिसाड़ीगेट और कोतवाली में राजस्थान से काफी संख्या में ऊंट मंगवाए गए थे। जिला प्रशासन ने ऊंटों की कुर्बानी

भी लापता मिलामेरठ में वर्ष 2019 में कुर्बानी के लिए लाए गए 28 ऊंटों को पुलिस ने कुर्बानी पर प्रतिबंध बताते हुए जब्त कर एक संस्था के सदस्य युवक की सुपुर्दगी में दे दिया था। ऊंटों को वापस देने की बात पुलिस लगातार अनसुना करती रही तो ऊंट स्वामी हाईकोर्ट पहुंच गए।अब चार वर्ष बाद हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ऊंटों को तलाशने निकली तो उसके हाथ खाली रह गए। पुलिस को जांच में पता चला कि जो व्यक्ति खुद को संस्था का सदस्य बताकर ऊंटों को ले गया था उसका संस्था के पास कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। अब इस मामले पर प्रतिबंध लगाने की बात कहकर 28 ऊंट जब्त किए थे। पुलिस ने ऊंटों को भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल्स का सदस्य बताने वाले दिल्ली के एक युवक की सुपुर्दगी में दे दिया था। पुलिस ने तब उस युवक की कोई जांच नहीं की थी।ऊंटों की कीमत न मिलने पर ऊंट स्वामियों ने पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनकी एक न सुनी गई। इस पर ऊंट स्वामी हाईकोर्ट चले गए। कोर्ट ने ऊंट स्वामियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को सभी 28 ऊंट उनके स्वामियों की सुपुर्दगी में दिए जाने का आदेश दिया।

लोकसभा चुनाव से पहले पांच हजार बैठकें करेगा संघ कानपुर प्रांत से हुई शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
कानपुर।संघ ने भाजपा के पक्ष में बने माहौल को वोट में बदलने का जिम्मा उठाया है। इसके लिए संघ लिया है।इतना ही नहीं यह भी यह भी फैसला लिया गया है कि इस बार होली के पहले से लेकर उसके बाद तक पिछली बार से कई गुना

पांच हजार से अधिक बैठकें करेगा, जिसका शुरुआत कानपुर प्रांत से हुई है। यही नहीं, पदाधिकारी और स्वयंसेवक त्योहारों में लोगों से घर-घर जाकर मिलेंगे।लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा के पक्ष में दिख रहे माहौल को वोट में तब्दील करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बीड़ा उठाया है। इसके लिए संघ की ओर से लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान से पहले तक निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन को पूरा करते हुए पांच हजार से अधिक बैठकें करने का फैसला अधिक होली मिलने समारोह का आयोजन किया जाएगा। इनमें संघ के पदाधिकारी स्वयं शामिल होंगे। मंगलवार को इस संबंध में संघ की कानपुर प्रांत इकाई के 21 जिलों के पदाधिकारियों की एक बैठक यशोदानगर स्थित एक लॉन में हुई।इसमें 300 से अधिक पदाधिकारी जो संघ के विभिन्न आयामों से आते हैं, बुलाए गए थे। बैठक को पूरी तरह प्रचार-प्रसार से दूर, मिशन की तैयारी के रूप में आयोजित किया गया था। इसमें उन लोगों को बुलाया गया था, जो यहां से दी गई सीख और बताई गई रणनीति के आधार पर लोगों के बीच जाएंगेबैठक का एक एजेंडा यह भी रहा कि किसी भी मुद्दे को सकारात्मक तरीके से लोगों के बीच रखना है। राष्ट्रवाद, संस्कृति और सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों को बहुत ही समझदारी और सलीके से लोगों को बताने की जिम्मेदारी भी बैठक में आए हुए प्रमुख स्वयं सेवकों को दी गई।इस बैठक को संबोधित करने के लिए दिल्ली और क्षेत्र से भी संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी यहां आए थे। बताया जा रहा है कि भाजपा से अलग संघ ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी गाइड लाइन बनाई है। सभी से यह भी कहा गया है कि अब सब लोग चुनावी मोड में आ जाए। क्योंकि चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है।शहरों के साथ ही कस्बों के अलावा नजदीक और सुदूर के गांवों में भी एक जैसी योजना के तहत काम किया जाएगा। होली के अलावा इस बीच पड़ने वाले दूसरे त्योहार भी लोगों के साथ मिलकर मनाने पर बैठक में जोर दिया गया। प्रांत के अलावा जिला स्तर पर भी इस तरह की बैठकें की जाएंगी, जिसमें सभी को दिशा निर्देश दिए जाएंगे।

ज्वेलरी शोरूम से महिला ने चुराई सोने की अंगूठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज।ज्वेलरी शो रूम से अंगूठी चुराने वाली एक महिला चोर की करतूत सीटीवीवी में कैद हो गई। महिला ने अंगूठी देकते समय नकली अंगूठी रखकर असली अंगूठी को चुरा लिया। घटना की जानकारी होने के बाद जब सीसीटीवी चेक किया गया तो लोगों के होश उड़ गए। शहर के सिविल लाइंस में सरदार पटेल मार्ग स्थित ज्वेलरी शोरूम से एक महिला सोने की अंगूठी चुरा ले गई। घटना 19 जनवरी की है, जिसकी रिपोर्ट मंगलवार शाम को सिविल लाइंस

थाने में दर्ज कराई गई। शोरूम की स्टोर मैनेजर सुनीता कुमारी ने बताया कि महिला ने अंगूठी देखने के बहाने यह घटना की। साथ ही असली अंगूठी चुराकर उसकी जगह नकली अंगूठी रख दी। स्टॉक मिलन के दौरान एक अंगूठी नकली पाई गई। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि यह करतूत शोरूम में खरीदारी करके बहाने आई महिला की है। सिविल लाइंस पुलिस फुटेज के जरिए महिला की तलाश में जुटी है।

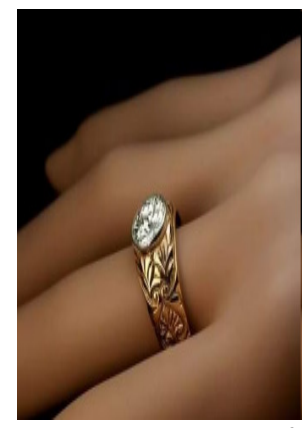

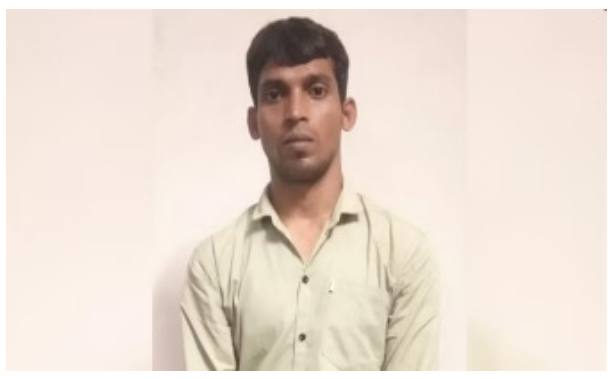

टॉपर रही है अक्षिता बाइक से मैंने ही स्कूल पहुंचाया, क्या पता था कि ये खबर मिलेगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
गोरखनाथ।गोरखनाथ स्थित स्कूल में अपनी बेटी को छोड़कर वापस लौटे पिता को बेटी के कूदने की खबर मिली। परिजनों का बुरा हाल है। पिता ने कहा, बाइक से मैंने ही स्कूल पहुंचाया, क्या पता था कि उससे कहा-आज काम ज्यादा है तो परीक्षा छूटने के बाद खुद ऑटो से आ जाना। मुझे क्या पता था कि ऐसी बुरी खबर मिलेगी...इतना कहकर पिता सतीश सिंह भावुक हो गए।उर्द्वेव्ज्ले नैःटॉपर रही है अक्षिता...बाइकसे मैंने ही स्कूल

बुरी खबर मिलेगी येक्या बताऊं...अक्षिता पढ़ने में शुरू से टॉपर रही है। 10 वीं में उसे 98 प्रतिशत अंक मिले थे। सुबह पूजा-पाठ करने के बाद मेरा और पत्नी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मैंने खुद उसे परीक्षा केंद्र तक छोड़ा और पहुंचाया, क्या पता था कि ये खबर मिलेगीअमर उजाला ब्यूरो इ्ल्त्ेप् ब्ः रोहित सिंह सार गोरखपुर गोरखनाथ स्थित स्कूल में अपनी बेटी को छोड़कर वापस लौटे पिता को बेटी के कूदने की खबर मिली। परिजनों का बुरा हाल है। पिता ने कहा, बाइक से मैंने ही स्कूल पहुंचाया, क्या पता था कि बुरी खबर मिलेगी ये।हॉस्पिटल में परेशान घायल छात्रा के माता पिता - फोटो : अमर उजाला ब्यूरो विस्तार क्या बताऊं...अक्षिता पढ़ने में शुरू से टॉपर रही है। 10 वीं में उसे 98 प्रतिशत अंक मिले थे। सुबह पूजा-पाठ करने के बाद मेरा और पत्नी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मैंने खुद उसे परीक्षा केंद्र तक छोड़ा और उससे कहा-आज काम ज्यादा है तो परीक्षा छूटने के बाद खुद ऑटो से आ जाना। मुझे क्या पता था कि ऐसी बुरी खबर मिलेगी...इतना कहकर पिता सतीश सिंह भावुक हो गए।शहर के जटेपुर क्षेत्र के रहने वाले सतीश सिंह रेलवे में गार्ड हैं। उन्होंने बताया कि इस बार भी उसकी तैयारी बहुत अच्छी थी। टेस्ट में उसके 95 नंबर आए थे। पहला पेपर बहुत अच्छा हुआ था। वह ऑनलाइन नीट की तैयारी भी करती थी। इसीलिए, केमिस्ट्री की परीक्षा को लेकर भी तनाव नहीं था।

मुंबई में छिपकर रह रहा था ५० हजार का इनामी बदमाश पुलिस कस्टडी से हुआ था फरार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
वाराणसी।न्यायिक अभिरक्षा से फरार 50 हजार के इनामी बदमाश को एसटीएफ की वाराणसी यूनिट ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। शैलेश प्रताप सिंह के निर्देशन में अभिसूचना संकलन के दौरान पता लगा कि देवरिया जेल का बंदी प्रवीन पाल दो नवंबर 2022 को न्यायिक अभिरक्षा से फरार हो गया था।

ट्रांजिट रिमांड पर उसे देवरिया लाया जाएगा। आरोपी प्रवीन अयोध्या जिले के इनायत नगर थाना के गहनो खिहारन, बारून बाजार का रहने वाला है। एक वर्ष तीन माह से फरार चल रहा था। देवरिया से न्यायिक अभिरक्षा से एक वर्ष तीन माह पहले फरार 50 हजार के इनामी बदमाश प्रवीन पाल उर्फ प्रदीप पाल को एसटीएफ की वाराणसी यूनिट ने पनवेल रेलवे स्टेशन के पास, नवी मुंबई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया है। प्रवीन अयोध्या जिले के इनायत नगर थाना के गहनो खिहारन, बारून बाजार का रहने वाला है। उसे ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र से एसटीएफ की टीम देवरिया लाएगी।एसटीएफ की वाराणसी इकाई के एडिशनल एसपी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पूर्वांचल के पुरस्कार घोषित बदमाशों के प्रदेश से बाहर सक्रिय होने की सूचना मिली थी। डिप्टी एसपी वर्तमान में वह पनवेल में छिप कर रह रहा है। सूचना को पुख्ता कर इंस्पेक्टर अमित श्रीवास्तव व इंस्पेक्टर राघवेंद्र मिश्र के नेतृत्व में दरोगा शहजादा खां, हेड कांस्टेबल दिलीप कश्यप व सत्यपाल सिंह और सिपाही रविशंकर सिंह की टीम पनवेल पहुंची।एसटीएफ की पूछताछ में प्रवीन पाल ने बताया कि कुशीनगर जिले के रामकोला थाना क्षेत्र में पूजा अपने दो बच्चों के साथ रहती थी। उसके पति की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी। जमीन के लालच में उसने पूजा की हत्या कर दी थी। उसे कुशीनगर की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसे देवरिया जेल में रखा गया था। देवरिया जेल से उपचार के लिए वह अस्पताल गया था। अस्पताल में पुलिस कर्मियों को चकमा देकर वह फरार हो गया था। वहां से वह मुंबई भाग गया था और पनवेल में छिप कर रह रहा था।

गणित ने बिगाड़ा समीकरण, 1.33 लाख ने छोड़ी परीक्षा, तीन केंद्रों में गड़बड़ी की शिकायत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज।मंगलवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल की गणित और इंटरमीडिएट की व्यावसायिक वर्ग की परीक्षा पूरी हुई। वहीं, दूसरी पाली में हाईस्कूल की ऑटोमोबाइल्स और इंटरमीडिएट की व्यवसाय अध्ययन की परीक्षा कराई गई।यूपी बोर्ड के हाईस्कूल की गणित की परीक्षा सवा लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने छोड़ दी। मंगलवार को प्रदेश भर के 8,265 केंद्रों पर हुई परीक्षा के लिए 20,93,548 विद्यार्थी पंजीकृत थे। यूपी बोर्ड के सचिव दिब्यकांत शुक्ल थे। इनमें से 6084 ने परीक्षा छोड़ दी। दूसरी पाली में हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा में 6610 पंजी थे। इनमें से 375 छात्र अनुपस्थित रहे। कंट्रोल रूम से निगरानी के दौरान जौनपुर और देवरिया के एक-एक परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा के इंतजाम में कमी पाई गई। सचिव के निरीक्षण के दौरान एक केंद्र के स्ट्रॉग रूम की खिड़की खुली पाई गई। इन तीनों केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रथम और द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल चार नकलची पकड़े गए। इन पर

ने बताया कि गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गई।मंगलवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल की गणित और इंटरमीडिएट की व्यावसायिक वर्ग की परीक्षा पूरी हुई। वहीं, दूसरी पाली में हाईस्कूल की ऑटोमोबाइल्स और इंटरमीडिएट की व्यवसाय अध्ययन की परीक्षा कराई गई। डीआईओएस पीएन सिंह ने बताया कि जिले में हाईस्कूल परीक्षा प्रथम पाली में 335 केंद्रों में 77903 छात्र पंजीकृत कार्रवाई करते हुए आगामी परीक्षाओं से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे चार मुन्ना भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।सचिव दिब्यकांत शुक्ल ने संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षकों को तीनों केंद्रों के केंद्र व्स्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

फर्जी आईएएस और मंत्री का पीएस बताकर दाखिले का दबाव डाल रही महिला गिरफ्तार मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज।पुलिस के मुताबिक, एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय व थाना प्रभारी सिविल लाइंस रामाश्रय यादव के सीयूजी नंबर पर एक महिला ने फोन किया। खुद को आईएएस निधि पांडेय और मंत्री आशीष पटेल का निजी सचिव बताते हुए उसने एक बच्चे का सेंट जोसेफ स्कूल एंड कॉलेज में दाखिला कराने के लिए कहा।फर्जी आईएएस और कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की निजी सचिव बताकर सेंट जोसेफ स्कूल में दाखिला कराने के लिए स्कूल प्रबंधन, पुलिस अफसरों व थानेदार पर दबाव और रौब दिखाने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया है। जांच में पता लगा कि ट्यूशन पढ़ाने वाली

महिला ने एक लाख रुपये में एक बच्चे के दाखिला कराने का ठेका ले रखा था।पुलिस के मुताबिक, एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय व थाना प्रभारी सिविल लाइंस रामाश्रय यादव के सीयूजी नंबर पर एक महिला ने फोन किया। खुद को आईएएस निधि पांडेय और मंत्री आशीष पटेल का निजी सचिव बताते हुए उसने एक बच्चे का सेंट जोसेफ स्कूल एंड कॉलेज में दाखिला कराने के लिए कहा। उसने बच्चे का ब्योरा ह्वाट्सएप पर भेजा। बाद में, आला अफसरों को फोन व मैसेज भी किए।महिला के अंदाज और लगातार दबाव डालने से पुलिस को शक हुआ। उसके बारे में हनुमान मंदिर चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह ने जांच की तो पता चला कि महिला डॉ. नैना सैमुअल पुथराना वसंत बिहार, ड्रमंड रोड थाना सिविल लाइंस (प्रयागराज) की रहने वाली है।

हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। धारदार हथियार से गला काट कर 17 वर्ष पूर्व हुए सुक्खूराम प्रजापति हत्याकांड के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम एहसानुल्लाह खां की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषियों शंकर पाल तथा बुद्धिराम उर्फ वकील को उम्रकैद व 25-25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक- एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं मृतक की पत्नी अगर जीवित होगी तो उसे अथवा मुकदमा वादी के बेटे को एक लाख रूपये बतौर प्रतिकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकार से दिलाया जाएगा।अभियोजन पक्ष के मुताबिक केशव राम पुत्र सुक्खूराम प्रजापति निवासी अवई, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने 7 मार्च 2007 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसके पिता ने अपना खेत बटाई पर शंकर पाल पुत्र मटुकधारी निवासी अवई, थाना चोपन, जिला सोनभद्र को दिया था। फसल कटने के बाद शंकर पाल पूरी फसल अकेले ले जाना चाहता था। जिसपर उसके पिताजी ने कहा कि फसल अधिया पर दिया था। इसलिए आधी- आधी फसल दोनों लोगों को मिलेगी। बटाई के बाद उसके पिताजी ने कहा कि अब अपनी जमीन बोने के लिए नहीं दूंगा। इस पर शंकर पाल नाराज हो गया।इसके बाद शंकर पाल अपने साथी बुद्धिराम उर्फ वकील पुत्र छत्तर निवासी अवई,

थाना चोपन, जिला सोनभद्र समेत एक अन्य साथी के साथ मिलकर उसके पिताजी की धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया। इस घटना को कई लोगों ने देखा था। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर तीन लोगों के विरुद्ध कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। विचारण के दौरान एक अभियुक्त की मौत हो गई। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषियों शंकर पाल और बुद्धिराम उर्फ वकील को उम्रकैद व 25- 25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक- एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं मृतक की पत्नी अगर जीवित होगी तो उसे अथवा मुकदमा वादी के बेटे को एक लाख रूपये बतौर प्रतिकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकार से दिलाया जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विनोद कुमार पाठक ने बहस की।

जल निगम मे लगे पेड़ को मनमानी तरीके से कटवाने से प्रधान के ऊपर नराजगी जताते ग्रामीण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के ग्राम सभा पगिया का मामला जहा पे लोगो ने भारी संख्या मे प्रधान के ऊपर नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया जानकारी के अनुसार आप को बता दे कि ग्राम सभा पगिया मे जल निगम के कार्य भार पिछले सालो ग्राम प्रधान के निगरानी मे चल रहा था।लेकिन सही तरिके से न चलाने के ग्रामीणों ने उच्च अधिकारीयों से शिकायत की दिया उसके बाद बीडीसी प्रतिनिधि सरताज अहमद ने अपनी जिम्मेदारी से देखभाल में चला रहे थे और काफ़ी दिनों तक अच्छा चल रहा था दिनांक 27/3/2024को प्रधान द्वारा मनमानी तरिके से 20हजार रुपए मे ठेकेदार सराफत अली मुजफ्फरपुर के निवासी के रहने वाले ठेकेदार को बेच कर कटाई करने लगे ।इसका विरोध जताते हुए भाजपा मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र बहादुर सिंह, ने करमा पुलिस को

ग्रामीणों को समय से पानी नहीं मिल पा रहा है। प्रधान हमेशा बाहर रहते हैं और ज्यादातर मोबाईल उनका स्वीच ऑफ रहता, जिससे पानी पीने के लिए ग्रामीणों को इधर उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों के हस्तक्षेप और उच्च अधिकारीयों के संज्ञान के कारण ग्राम प्रधान असमर्थता जताते हुए इस्तीफा दे प्रार्थना पत्र देकर करवाई करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है की जो भी लकड़ी का पैसा मिले उसी पैसा से जल निगम मे लगे बोर की मरम्मत की जाये ग्रामीणों ने शासन प्रशासन की ध्यान आकर्षित कराते हुए ठेकेदार और प्रधान के ऊपर कारवाई करने की मांग की है।

पुल के निर्माण से दोनों जनपदों में विकास को मिलेगी गति, लोगों का जीवन स्तर होगा बेहतर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर ।मीरजापुर के विकास व जनपदवासियों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री एवं जनपद की लोकप्रिय सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल के विशेष प्रयास से गंगा नदी पर दो पुलों का निर्माण होने जा रहा है। विंध्याचल के पास गंगा नदी पर 6 लेन के पुल

के अलावा रामपुर घाट पर भी गंगा नदी पर पक्का पुल का निर्माण होगा। लगभग 339.51 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली इस परियोजना को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को रामपुर घाट पहुँच कर प्रस्तावित इस परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को अवश्यक दिशा निर्देश दिया। ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह 10 फरवरी को केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने पत्र लिख कर इस परियोजना की वित्तीय स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया था। तत्पश्चात इस परियोजना को पिछले सप्ताह वित्तीय स्वीकृति मिली है। श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने पत्र के जरिये माननीय मुख्यमंत्री जी को सूचित किया था कि जनपद मीरजापुर के विकास खंड छानबे, हलिया, लालगंज, पटेहरा एवं राजगढ़ से जनपद भदोही तक वाया गैपुरा व रामपुर गंगाघाट तक के पक्के मार्ग से रामपुर घाट पर बने पीपा पुल का उपयोग कर दोनों जनपदों से भारी संख्या में जनमानस का गंगापार प्रयागराज व अन्य पूर्वांचल के जनपदों से आवागमन होता है, परंतु पक्के पुल के अभाव में वर्षा ऋतु में उक्त अत्यंत जनोपयोगी और सबसे निकटतम मार्ग का यथोचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। उक्त पुल के निर्माण से जनपद सोनभद्र और मध्य प्रदेश के रीवा जनपद से आने वाला तथा लखनऊ, कानपुर/दिल्ली जाने वाला यातायात गंगा नदी पार करने हेतु इसी प्रस्तावित पुल का उपयोग करेगा। व्यापक जनहित में जनपद मीरजापुर के रामपुर घाट पर पक्का पुल निर्माण हेतु आज कैबिनेट ने कार्यदायी संस्था उ. प्र. सेतु निर्माण निगम द्वारा प्रेषित प्राक्कलन पर वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति आज प्रदान कर दी है। इसी के क्रम में केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने 19 फरवरी को उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री जितिन प्रसाद को पत्र लिख कर पक्का पुल के निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करवाने का अनुरोध किया था। रामपुर घाट का स्थलीय निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि रामपुर घाट पर पक्का पुल के निर्माण से जनपद के विकास को गति मिलेगी, आवागमन तेज होगा। जनपद में व्यापार एवं उद्योग को मजबूती मिलेगी। इस क्षेत्र के लोगों का जीवनस्तर और बेहतर होगा।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा गो-वध अधिनियय व पशु क्रुरता अधिनियम की वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'अभिनन्दन' द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-05/2024 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम के अभियोग में कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 27.02.2024 को थानाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से

प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से वांछित अभियुक्त बृजभूषण रामाचार्य पुत्र बाबूलाल निवासी देवगांव थाना देवगांव जनपद आजमगढ़ को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

एनटीपीसी सिंगरौली के तृतीय चरण के विस्तारीकरण हेतु कार्यवाही जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। राज्य एवं राष्ट्र के विकास को समर्पित शक्तिनगर सोनभद्र स्थित, एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना 800 मेगा वॉट की दो यूनिट लाने की योजना के साथ विस्तारीकरण हेतु अग्रसर है। इस विस्तारीकरण के लिए ज्वालामुखी आवासीय परिसर को खाली कराये जाने का कार्य प्रगति पर हैं और काफी हद तक पूरा किया जा चुका हैं। उक्त आवासीय परिसर को खाली कराने का कार्य

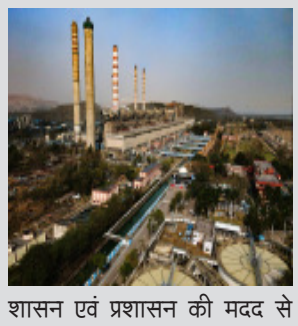

शासन एवं प्रशासन की मदद से वैधानिक रूप से एवं शांतिपूर्ण ढंग हो रहा हैं। कतिपय अधिवासित व्यक्तियों ने संपदा अधिकारी एनटीपीसी सिंगरौली के आदेश पर न्यायालय से राहत भी मांगी है जिनका निस्तारण सेशन न्यायालय सोनभद्र से होना है। ऐसे ही एक मामले मे उच्च न्यायालय ने वादी को संपदा अधिकारी को एक लाख जमा करने तथा सेशन न्यायालय को सीमित समय मे मामले को निस्तारित करने का आदेश पारित किया है।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला फुसला कर भगाने आरोपी गिरफ्तार, अपहृता बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर ।थाना मड़िहान, जनपद

मीरजापुर पर दिनांकः 18.01.2024 को थाना मड़िहान क्षेत्रांतर्गत निवासिनी एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध अपनी(वादिनी की) नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-06/2024 धारा 363,366,504 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वअभिनन्दनद्व द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए नाबालिग की यथाशीघ्र बरामदगी करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष मड़िहान को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना मड़िहान पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए भौतिक एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्य संकलित कर आज दिनांकः27.02.2024 को उप निरीक्षक हरिकेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्र से अभियुक्त शिवा प्रजापति पुत्र हरिनाथ प्रजापति निवासी दाढ़ीराम थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । थाना मड़िहान पर पंजीकृत मु0अ0सं0-06/2024 धारा 363,366,504 भादवि में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
महानिदेशक अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
★C.O.P.A. ★Electrician ★Fire Safety & Industrial Security ★Computer Hardware & Maintenance
★Fitter ★Computer Application
★Security Service ★Repair of Refrigerator & A.C. ★Computer Teacher Training ★Welding Technology
★Electric Technician ★Certificate in YOGA
Message
नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तर प्रदेश
मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विवर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र / छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी दैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने मे अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।
संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका " प्रवेश विवर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!
भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
Naud Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
N.C.V.T. D.G.E.T से मान्यता प्राप्त
फिटर
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा
COPA
छात्रवृत्ति की सुविधा
100% प्लेसमेंट की गारंटी
अप्रेन्टिशिप की सुविधा
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

बैटरी चलित कृत्रिम प्रोस्थैटिक कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर । रोटरी क्लब मीरजापुर परिवार आपसी सहयोग एवं सहायता से जरूरतमंद व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक पहल करके उनके जीवन को बेहतर बनाने का कार्य करता आ रहा है । सेवा कार्य की भावना से ही प्रेरित होकर इस वर्ष के रोटरी थीम क्रिएट होप इन द वर्ल्ड के दृष्टिगत रोटरी क्लब मीरजापुर द्वारा इनाली फाउंडेशन अतिथि किया। निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर में कुल 50 लोगों को कृत्रिम हाथ वितरित किया जाएंगे । कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ आर बी कमल द्वारा श्री गणेश जी एवं माँ विंध्यवासिनी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. कमल ने कहा की रोटरी क्लब मीरजापुर द्वारा दिव्यांग जनों के मर्म को महसूस

के सहयोग से मीरजापुर जनपद में दिव्यांगताओं को चुनौती देने के लिए दिव्यांग व्यक्ति जिनका हाथ कोहनी के नीचे से कट गया हो उनके जीवन को सक्षम बनाने की राह प्रस्तुत करते हुए तीन दिवसीय निःशुल्क अत्याधुनिक बैटरी चलित प्रोस्थैटिक कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का आयोजन लालडिग्गी स्थित रोटरी भवन में किया गया है जिसका शुभारम्भ आज माँ विंध्यवासिनी ऑटोनोमस स्टेट मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आर बी कमल द्वारा बतौर मुख्य अतिथि किया। निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर में कुल 50 लोगों को कृत्रिम हाथ वितरित किया जाएंगे । कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ आर बी कमल द्वारा श्री गणेश जी एवं माँ विंध्यवासिनी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. कमल ने कहा की रोटरी क्लब मीरजापुर द्वारा दिव्यांग जनों के मर्म को महसूस करते हुए उनके जख्मों पर मरहम लगाने का कार्य करते हुए निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण करना एक महान सेवा कार्य है । इस पहल से दिव्यांग जन अपने जीवन के रोज किये जाने वाले कार्य आसानी से कर पाएंगे । उन्होनें इस सेवा कार्य के लिए रोटरी क्लब मीरजापुर को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए हार्दिक बधाई दी साथ ही साथ यह विश्वास दिलाया की ऐसे सेवा कार्यों में वे अपने तरफ से हर संभव मदद करने के लिए सदैव तैयार हैं ।

आरबीआइ की चेतावनी के बाद मैदान पर जरूर लौटे ईशान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने 3 महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलते हुए वापसी कर ली। मंगलवार को ईशान किशन (र्ईंह ख्रेंप्) ने और ढेकाले की 42 रन की पारी खेली। इस तरह टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 192 रन का स्कोर बार उन्होंने 28 नवंबर, 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच खेला था। इसके बाद वो

ने 3 महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलते हुए वापसी कर ली। मंगलवार को ईशान किशन ने डीवाई पाटिल टी20 कप 2024 में कमबैक मैच में फ्लॉप रहे। उन्होंने 11 गेंदों में केवल 19 रन बनाए। रूट मोबाइल लिमिटेड के खिलाफ ईशान किशन घरेलू टूर्नामेंट में आरबीआई की तरफ से खेल रहे हैं। ईशान किशन ने 3 महीने बाद वापसी कर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। उनके इस प्रदर्शन को देख फैंस भी उनसे खफा हो गए है भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन डीवाई पाटिल टी20 कप 2024 में कमबैक मैच में फ्लॉप रहे। उन्होंने 11 गेंदों में केवल 19 रन बनाए। रूट मोबाइल लिमिटेड के खिलाफ ईशान किशन घरेलू टूर्नामेंट में आरबीआई की तरफ से खेल रहे हैं। दरअसल, डीवाई पाटिल टी20 कप 2024 के मुकाबले में आरसीबीआई ने पहले गेंदबाजी की, जिसमें ईशान किशन को विकेटकीपिंग करते हुए देखा गया। मैच में पहले बैटिंग करते हुए रूट मोबाइल लिमिटेड की तरफ से आयुष वर्तन की 31 गेंद में 54 रन खड़ा कर पाई आरीबीआई की टीम ने इसके जवाब में 16.3 ओवर में 103 रन बनाकर ढेर हो गई और रूट मोबाइल लिमिडेट को 89 रन से जीत मिली। इस मैच में ईशान किशन ने वापसी की ,लेकिन डीवाई पाटिल कप में 19 रन बना सके। भारतीय रिजर्व बैंक (ँघ) के लिए खेलते हुए 25 साल के ईशान 12 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के ही लगा पाए। बता दें कि ईशान किशन ने पिछले तीन महीने से क्रिकेट मैदान से दूर चल रहे है। आखिरी साउथ अफ्रीका दौरे पर गए थे। लेकिन, मानसिक थकान का हवाला देकर वह टेस्ट सीरीज से हट गए थे उन्होंने बीसीसीआई से ब्रेक मांगा था। इसके बाद वह अपने घर गए। इसके बाद ईशान को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में नहीं चुना गया था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। लगातार ईशान को लेकर चर्चाएं अभी भी जारी है।

गुजरात की कप्तान बेथ मूनी करारी हार के बावजूद हंसती रही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग 2024 के पांचवें मैच में आरसीबी ने गुजरात जायंट्स को 8 विकेट से धूल चटाई। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टीम 107 रन पर ऑलआउट हुई। इसके बाद 12.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 110 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी ने लगातार दूसरा मैच जीतकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। इससे पहले आरसीबी ने यूपी वॉरियर्स को हराया था। कप्तान स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों का सामना करते हुए 43 रन बनाए। इस मैच में मिली हार के बाद गुजरात जायंट्स की कप्तान बेथ मूनी ने क्या कहा, आइए जानते है दरअसल, 27 फरवरी को आरसीबी के हाथों मिली हार के बाद गुजरात जायंट्स की कप्तान बेथ मूनी शुरुआत में हंसती हुई नजर आई। उन्होंने कमेंटेटर को कहा कि उनके पास इस रिएक्शन के अलावा कुछ खास कहने के लिए नहीं। उन्होंने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि इस विकेट पर इतने छोटे से लक्ष्य का बचाव करना काफी मुश्किल था। साथ ही बेंगलुरु की टीम में जिस तरह के बल्लेबाज हैं, उससे हमारा काम और भी मुश्किल हो गया था। हमें टीम मीटिंग में अपनी गलतियों पर बात करते हुए, उसे

ठीक करने का प्रयास करना होगा। हमें बीच के ओवरों में रन बनाने का प्रयास करना होगा। अगर हम अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हम अपने पिछले दो मैचों में किए गए प्रदर्शन को जल्दी ही भूल जाएंग विमेंस प्रीमियर लीग के इस मैच में आरसीबी के लिए कप्तान स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। 27 गेंदों का सामना करते हुए मंधाना की पारी में 27 चौके लगाए और एक छक्का शामिल रहा। सब्बिनेनी मेघना 28 गेंदों पर 36 रन बनाकर नाबाद रही। एलिस पैरी ने 23 रन बनाए। सोफी डिवाइन 6 रन बनाकर आउट हुई वहीं, पहले बैटिंग करते हुए गुजरात जायटंस के लिए दयालन हेमलता ने नाबाद 31 रन बनाए। हरलीन देओल ने 22 और सन्हे ने 12 रन बनाए। इनके अलावा कोई खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर सकी। वेदा कृष्णमूर्ति नौ, कप्तान बेथ मूनी, एश्ले गार्डनर सात, फीबी लिचफील्ड पांच और कैथरीन तीन रन बनाकर आउट हुई।

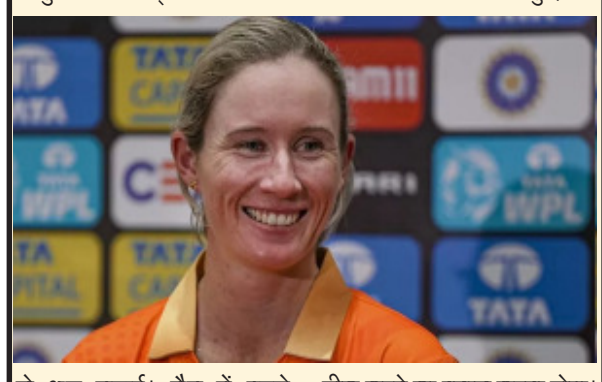

मैं और सोफी जब सोचते नहीं हैं तब' स्मृति मंधाना ने इन प्लेयर्स को दिया जीत का क्रेडिट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2024 के पांचवें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने एकतरफा अंदाज में गुजरात को 8 विकेट से रौंदा। गुजरात से मिले 108 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने हंसते-खेलते हुए महज 12.3 ओवर में हासिल कर नजर आई गुजरात पर मिली जीत के साथ स्मृति मंधाना ने कहा, ठकोई भी मैसेज नहीं था, चीजों को सिंपल रखना था, गेंद को देखिए और रिएक्ट कीजिए। मैं और सोफी तब बेस्ट करते हैं, जब हम सोचते नहीं हैं। हमने यहां पर खेला गया लास्ट मैच देखा था, पिच में तेज गेंदबाजों

लिया। गेंदबाजी में सोफी मोलिनक्स ने कहर बरपाया, तो बल्ले से स्मृति मंधाना ने महफिल लूटी। टूर्नामेंट में मिली लगातार दूसरी जीत से कप्तान स्मृति बेहद खुश नजर आई और उन्होंने टीम की जमकर तारीफ की। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने एकतरफा मैच में गुजरात जायंट्स को 8 विकेट से पटखनी दी। गुजरात से मिले 108 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने सिर्फ 12.3 ओवर में हासिल किया। टीम की ओर से कप्तान स्मृति मंधाना ने तूफानी पारी खेली। जीत के बाद मंधाना ने टीम की जमकर तारीफ की है। मंधाना युवा बैटर मेघना से काफी प्रभावित के लिए कुछ था। रेणुका और सोफी गेंद को स्विंग करा सकती हैं। रेणुका इनस्विंगर और सोफी आउटस्विंगर, दोनों का ही प्रदर्शन लाजवाब रहा। आरसीबी की कप्तान ने आगे कहा, ठएस मेघना के लिए घरेलू क्रिकेट में पिछले कुछ सीजन कमाल के रहे हैं और लास्ट मैच में उनका प्रदर्शन लाजवाब रहा। यहां तक कि आज भी वह काफी शांत दिखाई दीं और उन्होंने काफी अच्छे स्ट्राइक रेट के साथ रन बटोरे। हमको किस तरह की टीम चाहिए, इस पर पिछले एक साल में काफी काम किया गया है।

13 गेंद में बनाने थे 21 रन तो इस्लामाबाद यूनाइटेड ने धड़ाधड़ गंवाए 5 विकेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में सोमवार को एक बेहद नाटकीय मुकाबला पेशावर जल्मी और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पेशावर ने इस्लामाबाद यूनाइटेड को 8 रन के अंतर से हराया। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में एक बेहद नाटकीय मैच देखने को मिला जिसमें पेशावर जल्मी ने इस्लामाबाद यूनाइटेड को 8 रन से हरा दिया। लाहौर में खेले गए मुकाबले में इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम लक्ष्य की तरफ मजबूती से बढ़ रही थी लेकिन फिर अचानक ऐसा ट्विस्ट आया कि वो मुकाबला हार गई। आजम खान ने इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए तूफानी पारी खेली लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। लाहौर में खेले गए मुकाबले में पेशावर जल्मी ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 201 रन बनाए। जवाब में इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 193 रन बना सकी। इस मुकाबले में पेशावर जल्मी के कप्तान बाबर आजम (111) का शतक आकर्षण का केंद्र रहा, जिन्होंने 63 गेंदों में 14 चौके और दो छक्के की मदद से सैकड़ा पूरा किया। इस्लामाबाद यूनाइटेड की पारी मजाक बनकर रह गई। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि वो 202 रन के लक्ष्य की तरफ मजबूती से बढ़ रही थी।

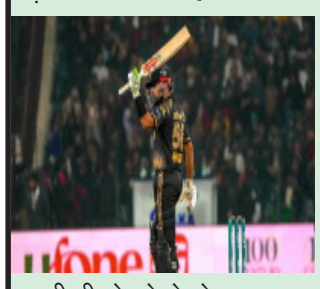

तूफानी शतक ठोक बनाई क्रिस गेल के खास क्लब में जगह; बहुत पीछे छूटे कोहली-रोहित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में बाबर आजम ने बल्ले से बड़ा धमाका किया है। पेशावर

जाल्मी की ओर से खेलते हुए बाबर ने इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ तूफानी शतक जमाया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने 63 गेंदों पर 111 रन की नाबाद पारी खेली। बाबर ने इस सेंचुरी के साथ ही क्रिस गेल के खास क्लब में जगह बना ली है। पीएसएल 2024 में इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ खेलते हुए बाबर का बल्ला जमकर बोला। बाबर ने तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए पीएसएल में दूसरा और टी-20 क्रिकेट में 11वां शतक ठोका। बाबर ने अपनी आतिशी पारी के दौरान 14 चौके और दो गगनचुंबी छक्के जमाए। बाबर आजम ने टी-20 क्रिकेट में 11वां शतक जमाने के साथ ही क्रिस गेल के खास क्लब में जगह बना ली है। पीएसएल 2024 में इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ खेलते हुए बाबर का बल्ला जमकर बोला।

थिसारा परेरा ने मचाया बल्ले से धमाल, एकतरफा मुकाबले में दिल्ली ने मुंबई चैंपियंस को चटाई 5 विकेट से धूल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आइवीपीएल) के पहले सत्र के आठवें मुकाबले में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज आलराउंडर थिसारा परेरा की शानदार 28 गेंदों पर 65 रन की तूफानी पारी की बदौलत रेड कार्पेट दिल्ली ने मुंबई चैंपियंस को पांच विकेट से हराया। पहले खेलते हुए मुंबई चैंपियंस की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर सिर्फ 139 रन ही बना पाई। जवाब में रेड कार्पेट दिल्ली ने यह लक्ष्य 32 गेंद शेष रहते ही प्राप्त कर लिया। इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आइवीपीएल) के आठवें मुकाबले में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज आलराउंडर थिसारा परेरा की शानदार 28 गेंदों पर 65 रन की तूफानी पारी की बदौलत रेड कार्पेट दिल्ली ने मुंबई चैंपियंस को पांच विकेट से हराया। पहले खेलते हुए मुंबई 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। जवाब में दिल्ली ने यह लक्ष्य 32 गेंद शेष रहते ही प्राप्त कर लिया। रेड कार्पेट के लिए एश्ले

नर्स और विक्रांत शर्मा ने शानदार गेंदबाजी की। दोनों ने तीन-तीन विकेट झटके। परेरा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। पहले खेलने उतरी मुंबई चैंपियंस की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहले चार ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए। तीसरे विकेट के लिए अभिषेक झुनझुनवाला और विश्वजीत सिंह, डी सोलंकी ने 39 रन जोड़े। अमित सनन और विनय यादव ने मुंबई का स्कोर आठ विकेट के नुकसान पर 139 तक पहुंचाया। 140 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेड कार्पेट दिल्ली को कप्तान हर्शेल गिब्स के रूप में शुरुआती झटका लगा। रिचर्ड लेवी और एसेला गुणारतन्ने पारी को आगे बढ़ाया और स्कोरिंग रेट भी बरकरार रखा। अंतिम छह ओवर में रेड कार्पेट दिल्ली को 11 रन की जरूरत थी। थिसारा परेरा ने तूफानी पारी से टीम को 15वें ओवर में ही जीत दिला दी।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

वनडे वर्ल्ड कप 2027 का टिकट पाने के लिए शुरू हुई क्वालिफिकेशन की जंग

चार स्पॉट के लिए 22 टीमों के बीच होगी टक्कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साल 2023 में खेले गए 50 ओवर के विश्व कप का अभी खुमार उतरा भी नहीं है कि अगले वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफिकेशन की जंग शुरू हो चुकी है। साल 2027 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेगा। होस्ट के साथ-साथ रैंकिंग के आधार पर कुल 8 टीमें डायरेक्ट टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगी, जबकि चार स्थान के लिए कुल 22 टीमों के बीच जंग होगी। वनडे वर्ल्ड कप लीग-2 में कुल 24 ट्राई सीरीज खेली जाएंगी। साउथ अफ्रीका जिम्बाब्वे के साथ साल 2027 में वनडे विश्व कप की मेजबानी करने वाली नामीबिया को लीग-2 में रखा गया है। नामीबिया के अलावा नीदरलैंड्स यूएई अमेरिका नेपाल और ओमान को लीग-2 में रखा गया है जो पिछले विश्व कप क्वालिफायर में खेलती हुई नजर आई थीं। वनडे वर्ल्ड कप 2027 साउथ अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। वनडे वर्ल्ड कप 2027 साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 54 मैच खेले जाएंगे। विश्व कप के मुकाबले अक्टूबर और नवंबर के बीच होने की संभावना है। वनडे विश्व कप 2027 की मेजबानी करने के लिए साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे को टूर्नामेंट में खेलने का डायरेक्ट टिकट मिलेगी। इसके साथ आईसीसी रैंकिंग के आधार पर टॉप 8 पर रहने वाली टीमों को भी सीधे विश्व कप में खेलने का मौका मिलेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे के साथ साल 2027 में वनडे विश्व कप की मेजबानी करने वाली नामीबिया को

लीग-2 में रखा गया है। नामीबिया के अलावा नीदरलैंड्स, यूएई, अमेरिका, नेपाल और ओमान को लीग-2 में रखा गया है, जो पिछले विश्व कप क्वालिफायर में खेलती हुई नजर आई थीं। कनाडा टीम को प्रमोशन मिला है और वह अब चैलेंज लीग से लीग-2 में आ गई है। इन टीमों के बीच कुल मिलाकर 9 ट्राई सीरीज खेली जानी है, जिसका अंत दिसंबर 2026 तक होगा। कुल 8 टीमें एक-दूसरे से चार-चार मैचों में भिड़ेंगी। यानी टोटल कुल 144 वनडे मैच इन 8 टीमों के बीच होंगे। चैलेंज लीग में पीएनजी, जर्सी, डेनमार्क, केन्या, हॉन्गकॉन्ग, कतर, सिंगापुर, युगांडा को रखा गया है। इसके साथ ही बरमूडा, इटली, कुवैत, सऊदी, बहरीन, मलेशिया, तंजानिया, वानुआतू में चार टीमें चैलेंज लीग का हिस्सा बनेंगी। इन टीमों को छह-छह के पूल में रखा जाएगा। हर टीम को तीन राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट खेलने होंगे। हर पूल में टॉप पर रहने दो टीमें क्वालिफायर खेलेंगी। लीग-2 में कुल 8 टीमों को रखा गया है। टॉप चार पर रहने वाली टीमें वर्ल्ड कप क्वालिफायर खेलेंगी। इसके अलावा बची हुई चार टीमें चैलेंज लीग के टॉप 2 टीमों संग प्लेऑफ खेलेंगी। इसके बाद छह टीमों के बीच क्वालिफायर प्लेऑफ खेला जाएगा, जिसमें से टॉप चार टीमें वर्ल्ड कप क्वालिफायर खेलने मैदान पर उतरेंगी। क्वालिफायर में कुल 10 टीमों के बीच जंग होंगी, इसमें रैंकिंग के आधार पर 11वें और 12वें नंबर पर रहने वाली टीम भी शामिल होंगी। लीग-2 से चार टीमें क्वालिफायर का हिस्सा होंगी, जबकि इतनी ही टीमें चैलेंज लीग का पार्ट होंगी। क्वालिफायर से कुल चार टीमें वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करेंगी।

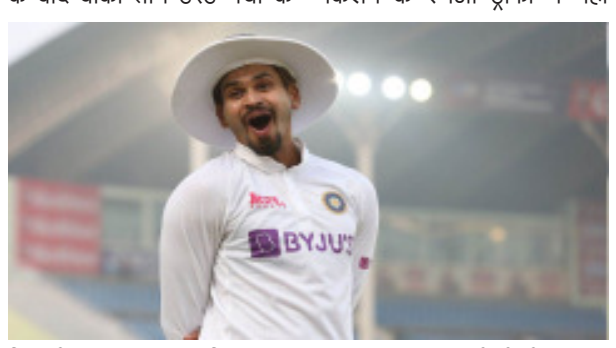

बीसीसीआइ की फटकार के बाद रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल मैच खेलेंगे श्रेयस अय्यर तमिलनाडु की ओर से वॉशिंगटन सुंदर भी मचाएंगे धमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) की सख्ती के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब रणजी ट्राफी में खेलेंगे। मुंबई की टीम दो मार्च को तमिलनाडु के विरुद्ध सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी, जिसके लिए श्रेयस को 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, आलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी तमिलनाडु की ओर से सेमीफाइनल खेलेंगे। इंग्लैंड के विरुद्ध बल्ले से विफल रहने वाले श्रेयस अय्यर को दूसरे टेस्ट के बाद बाकी तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन उन्होंने पीठ में दर्द का बहाना बनाकर मुंबई की ओर से क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने से मना कर दिया था। वहीं एनसीए की ओर कहा गया था कि श्रेयस फिट हैं। इंग्लैंड के विरुद्ध बल्ले से विफल रहने वाले श्रेयस अय्यर को दूसरे टेस्ट के बाद बाकी तीन टेस्ट मैचों के

लिए टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन उन्होंने पीठ में दर्द का बहाना बनाकर मुंबई की ओर से क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने से मना कर दिया था। वहीं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की ओर कहा गया था कि उन्हें श्रेयस की चोट को लेकर कोई जानकारी नहीं है और श्रेयस फिट हैं। श्रेयस और इशान किशन के रणजी ट्राफी में नहीं खेलने के बाद बीसीसीआइ ने सख्ती दिखाते हुए कहा था कि सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने कहा था कि बोर्ड ऐसा नियम भी लाएगा कि रणजी खेलने पर ही खिलाड़ियों को आइपीएल में खेलने की अनुमति दी जाएगी। इस बीच, ऐसी भी खबर थी कि बीसीसीआइ श्रेयस और इशान को केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर सकता है। श्रेयस के पास ग्रेड बी और इशान के पास ग्रेड सी अनुबंध है। दूसरी ओर, रांची टेस्ट खत्म होने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी स्पष्ट रूप से कह दिया था कि जिन खिलाड़ियों में लंबे प्रारूप खेलने की भूख नहीं है, उन्हें टेस्ट टीम में खिलाने का कोई मतलब नहीं है। रोहित का इशारा श्रेयस और इशान किशन की ओर था। रणजी में नहीं खेलने पर इन दोनों खिलाड़ियों की काफी आलोचना हुई थी। अब श्रेयस ने बोर्ड और रोहित शर्मा के तेवर देखते हुए आगे किसी विवाद से बचने के लिए रणजी ट्राफी में खेलने का निर्णय किया है।

सम्पादकीय

बिगड़ रहा है प्राकृतिक सन्तुलन बढ़ रही हैं चुनौतियां

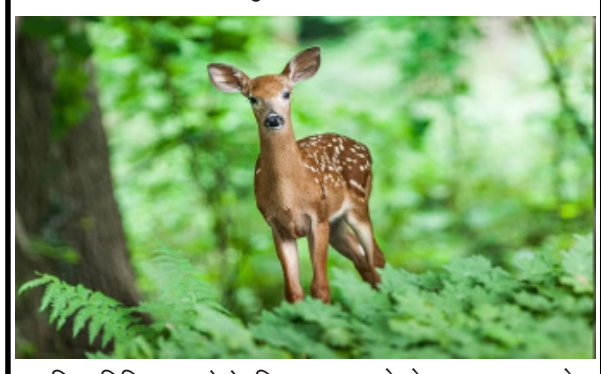

देश में बाघों और तेंदुओं जैसे मांसाहारी जीवों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। कूनो पार्क में विदेश से लाए गए चीतों की वंश वृद्धि की सूचना है। देश में बाघों की संख्या 3683 तक पहुंच गई। लेकिन दूसरी तरफ केरल में वायनाड, कन्नूर, पलक्कड़ और इडुक्की जिलों की मानव वन्यजीव संघष...ʼधरती पर प्राकृतिक सन्तुलन बनाए रखने और मानव जीवन के लिए सुख-

समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जितना जरूरी आदमी है, उतने ही जरूरी अन्य जीव जन्तु और पादप भी हैं।इसी तरह हमारे जीवन में बहुत काम आने वाले पालतू पशु जितने जरूरी हैं, उतने ही जरूरी वन्य जीव जन्तु भी हैं। इनमें से भी अगर केवल वनस्पतियों पर निर्भर जीव जन्तु ही धरती पर रहेंगे तो यह धरती वनस्पति विहीन हो जाएगी, इसलिए दूसरे जीवों को खाने वाले मांसाहारी जीवों का सही अनुपात में सलामत रहना बहुत जरूरी है। लेकिन दुर्भाग्य से यह प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ गया है। इस असन्तुलन के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष चिन्ताजनक स्थिति जक पहुंच गया है।सुनने में तो बहुत अच्छा लग रहा है कि देश में बाघों और तेंदुओं जैसे मांसाहारी जीवों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। कूनो पार्क में विदेश से लाए गए चीतों की वंश वृद्धि की सूचना है। देश में बाघों की संख्या 3683 तक पहुंच गई। लेकिन दूसरी तरफ केरल में वायनाड, कन्नूर, पलक्कड़ और इडुक्की जिलों की मानव वन्यजीव संघर्ष की इस सरकारी रिपोर्ट के आकड़े भी देखिए जिनमें कहा गया है कि 2022-23 में इन जिलों में 8,873 जंगली जानवरों के हमले दर्ज किए गए, जिनमें से 4193 जंगली हाथियों द्वारा, 1524 जंगली सूअरों द्वारा, 193 बाघों द्वारा, 244 तेंदुओं द्वारा और 32 बाइसन द्वारा किए गए थे।उत्तराखण्ड की राजधानी के कुछ इलाकों में लोगों को रात को घरों से न निकलने की सलाह प्रशासन द्वारा दी गई है। मुख्यमंत्री ने राज्य में गुलदारों के बढ़ते हमलों को देखते हुए वन विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगा रखी है।श्रीनगर गढ़वाल में तो मानों गुलदारों को रात का पहरा देने की ड्यूटी लगी हो। देहरादून महानगर के आसपास जनवरी और फरवरी में मानवभक्षी तेंदुए तीन लोगों को निवाला बना चुके हैं।वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अश्वनि कुमार चैबे द्वारा जुलाई 2022 में लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी गई लिखित जानकारी के अनुसार हाथियों ने 2019 से लेकर 2022 तक देश में 1,579 मनुष्यों को मार डाला। इनमें से सबसे अधिक 322 मौतें ओडिशा में हुईं, इसके बाद झारखंड में 291, पश्चिम बंगाल में 240, असम में 229, छत्तीसगढ़ में 183 और तमिलनाडु में 152 मौतें हुईं।सन् 2019 और 2021 के बीच बाघों ने अभयारण्यों में 125 मनुष्यों को मार डाला। इनमें से लगभग आधी मौतें महाराष्ट्र में हुईं। उत्तराखंड में हर साल मानव पशु संघर्ष बढ़ रहा है। राज्य गठन के वर्ष 2000 से लेकर 2022 तक, कुल 1,054 लोग वन्यजीवों के हमलों का शिकार हुए, 5,112 व्यक्ति ऐसे हमलों में घायल हुए। उत्तराखण्ड में गुलदारों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है और मानजीवन के लिए सर्वाधिक खतरा ये गुलदार ही बने हुए हैं।इस संकट के लिए बेजुबान वन्यजीवों को अकेले दोषी ठहराना न तो न्यायसंगत् है और ना ही इससे कोई हल निकल सकता है। देखा जाए तो मनुष्य ही इस संघर्ष के लिए ज्यादा जिम्मेदार है। मानव आबादी बढ़ते जाने से उसका वन्यजीव आवासों में विस्तार होता जा रहा है जिससे वन्यजीवों के आवास की हानि और विखंडन हो रहा है। यह स्थिति वन्यजीवों को मानव बहुल क्षेत्रों में भोजन और आश्रय खोजने के लिए मजबूर करती है, जिससे संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है।वनों की कटाई, कृषि और शहरीकरण जैसे भूमि उपयोग परिवर्तन वन्यजीव आवास और प्रवास पैटर्न को बदल देते हैं, जिससे जानवर मानव बस्तियों के निकट संपर्क में आ जाते हैं। जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिक तंत्र को बदल रहा है

मास्टर जी- भैंस पूछ क्यों हिलाती है छात्र ने दिया लोटपोट करने वाला जवाब

जोक्स और चुटकुले आपके तनाव को कम करने का काम करते हैं। इससे आप प्रसन्न रहते हैं और सकारात्मक सोचते हैं। हर इंसान को स्वस्थ रहने के लिए हंसना बहुत

जरूरी है। अगर आप हंसते रहते हैं, तनाव से दूर रहते हैं और हमेशा स्वस्थ रहते हैं। इसीलिए हम आपको हंसाने के लिए हर दिन की तरह कुछ वायरल जोक्स लेकर आए हैं, जिन्हें पढ़कर आप हंस सकते हैं।काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!काका- हेलो कौन...?लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया, वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बंनाने के लिए 8 दबाएं...!पप्पू- पता है, पत्नी पेपरवेट की तरह होती है...!गप्पू - वो कैसे...?पप्पू- पति को फड़फड़ाने तो देती है,लेकिन उड़ने नहीं देती...!!!मास्टर जी- भैंस पूछ क्यों हिलाती है?छात्र- क्योंकि पूंछ में इतनी ताकत नहीं होती कि भैंस को हिला सके...!मम्मी ने पिंटू से कहा मम्मी- किचन से जरा छोटी वाली गिलास ले लाना...पिंटू - मुझे यहां पर कहीं भी गिलास दिखाई नहीं दे रहा है ...

मम्मी- चूल्हा दिखाई दे रहा है...पिंटू - हां...मम्मी- अब एक काम कर चूल्हा जला...अब उसके ऊपर अपना मोबइल रख दे...तब दिख दिखेगी गिलास सोहन आज मेरे पास इतने पैसे हैं कि मैं मोहन - बीच में ही कितने पैसे हैं! सोहन इतने कि तीन चार बिस्कुट के पैकेट खरीद सकता हूं

अब रावी सिर्फ भारत में बहेगी

राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो कैसे आर्थिक व नौकरशाही संबंधी चुनौतियों को पार किया जा सकता है, शाहपुर कंडी बांध इसका ही उदाहरण है।बात 2016 की है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए जम्मू-कश्मीर व पंजाब के लाखों किसान परिवारों के हित में रावी नदी के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने का साहसी फैसला लिया था। यह फैसला अब हकीकत बन गया है। शाहपुर कंडी बांध के पूरा होने और पाकिस्तान को पानी रोकने से दोनों राज्यों के किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई है। अब जम्मू के कठुआ और सांबा जिलों की 1,27,587 बीघे और पंजाब की 20,624 बीघे जमीन की सिंचाई सुनिश्चित हो सकेगी। देश के सर्वोच्च हितों का ख्याल रखते हुए और 1960 की सिंधु जल संधि की मूल भावना के अनुरूप रावी नदी पर 3,300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार शाहपुर कंडी परियोजना जम्मू व पंजाब के लिए समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगी।यह कठुआ और सांबा जिले के लिए 32 वर्षों बाद एक सपने के सच होने जैसा है, क्योंकि यहां के लोगों को सिंचाई सुविधाओं की कमी के चलते परेशानी उठानी पड़ती थी। इसके अलावा, इस वर्ष के अंत तक तैयार होने वाली 206 मेगावाट की परियोजना से पंजाब के किसान लाभान्वित होंगे। इस पूरे मामले में पाकिस्तान ने सतर्कतापूर्ण चुप्पी साधी हुई है।पहले कहा जा रहा था कि रावी का पानी रोके जाने पर पाकिस्तान में काफी हल्ला मचेगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो

इसकी वजह है कि 1960 की सिंधु जल संधि के प्रावधानों का कहीं कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। इस संधि के अनुसार, रावी, सतलज व ब्यास नदी के पानी पर भारत का और झेलम, सिंधु व चिनाब के पानी पर पाकिस्तान का विशेष अधिकार होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में ही घोषणा की थी कि भारत रावी, सतलज व ब्यास नदियों के पानी के समुचित उपयोग व पाकिस्तान में बहने वाले पानी की बर्बादी को रोकने के लिए तार्किक कदम उठाएगा। तीनों नदियों के पानी के उपयोग और इसे जम्मू-कश्मीर व पंजाब के किसानों को उपलब्ध कराने की पद्धति का अध्ययन करने के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया था।इससे पहले 1995 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय नरसिंह राव ने शाहपुर कंडी बांध की आधारशिला रखी, लेकिन यह पंजाब व जम्मू-कश्मीर सरकारों की खींचतान में उलझ कर रह गया। राजनीतिक वजहों से इसके क्रियान्वयन में जो साढ़े चार वर्ष की देरी हुई, उससे इसकी लागत 2,793 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,300 करोड़ रुपये हो गई। प्रधानमंत्री मोदी के हस्तक्षेप व प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री, जो खुद जम्मू के निवासी हैं, के प्रयासों से गाड़ी फिर से पटरी पर लौटी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से इसके लिए आवश्यक वित्त की व्यवस्था हुई। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने केंद्र को अपना हिस्सा साठ से घटाकर चौदह फीसदी करने के लिए राजी किया। इस परियोजना में 71.39 फीसदी बिजली और 28.61 फीसदी सिंचाई से जुड़े घटक भी शामिल हैं। केंद्र ने इसे नाबार्ड के जरिये वित्तपोषित किया है। पंजाब के पठानकोट जिले में रावी नदी पर वर्तमान सागर बांध के डाउनस्ट्रीम पर स्थित शाहपुर कंडी बांध की ऊंचाई 55.5 मीटर है। इसमें दो पावर हाउस भी हैं, जो राजस्व कमाने के लिए सिंचाई और बिजली के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से जम्मू के किसानों की बंजर जमीन का शाप खत्म हो सकेगा, जो कि कंडी का शाब्दिक अर्थ है। इस परियोजना से हरियाली बंजर भूमि का स्थान लेगी और बाढ़ व तबाही का नियमित खतरा कम हो जाएगा। 1,378 मीटर की तीसरी जे एंड के नहर कठुआ के 512 गांवों की छह लाख से ज्यादा आबादी और सांबा के 368 गांवों की तीन लाख से ज्यादा आबादी को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराएगी।इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर को रावी से 6.9 लाख एकड़ फीट पानी की पात्रता के अलावा 3.40 रुपये प्रति यूनिट की दर से परियोजना से उत्पन्न 20 फीसदी बिजली मिल सकेगी। इस परियोजना से दोनों राज्यों की पर्यटन क्षमता में भी इजाफा होगा। विश्लेषकों का मानना है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति नौकरशाही संबंधी बाधाओं व वित्तीय चुनौतियों को खत्म कर देती है। शाहपुर कंडी बांध परियोजना में ठीक यही दिखा। लेकिन अंततः यह जम्मू-कश्मीर व पंजाब के किसानों के उदास चेहरों पर खुशियां लेकर आई है।

युद्ध बन गए हैं मुनाफे का कारोबार

पूरी दुनिया में युद्ध चलते रहें, अमेरिका व पश्चिमी देशों के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद रूस-यूक्रेन युद्ध का ठंडा न हो पाना बताता है कि कैसे इन देशों ने वैश्विक युद्धों को रोजगार सृजन व अपनी अर्थव्यवस्था के विकास का साधन बनाया हुआ है।यूक्रेन-रूस युद्ध के तीन वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह साफ जाहिर होता है कि इस अविवेकपूर्ण युद्ध को रोकने के प्रति न तो अमेरिका और न ही रूस इच्छुक है। आखिर कौन-सी वजह है, जिसके चलते यह युद्ध खत्म नहीं हो रहा? हजारों लोगों की जानें चली गईं और यूक्रेन में बड़े पैमाने पर विनाश हुआ, लेकिन फिलहाल युद्ध का कोई अंत नहीं दिख रहा है। यही नहीं, इस युद्ध में रूस की सैन्य प्रतिष्ठा पर भी आंच आती दिखी, क्योंकि वह अब तक यूक्रेन के केवल 17 फीसदी हिस्से पर ही कब्जा कर सका है।वास्तव में हमले के पहले वर्ष के बाद अमेरिका और रूस ने अपने सैन्य हथियारों का परीक्षण एवं प्रदर्शन करने के लिए युद्ध क्षेत्रों का उपयोग किया। ऐसा लगता है, मानो दोनों पक्ष अपने हथियारों की बिक्री और प्रदर्शन करना चाहते हैं, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि जान-माल के नुकसान की परवाह किए बिना युद्ध हथियार बेचने के लाभदायक व्यवसाय को आधार प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जनरल आइजनहावर ने स्वीकार किया था कि अमेरिका एक 'सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान' है। यूक्रेन युद्ध और गाजा पट्टी पर इस्राइल का हमला इस बात के ताजा उदाहरण हैं कि कैसे कम से कम युद्धविराम के जरिये समझौता किया जा सकता था, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान के निहित स्वार्थों ने इसे रोक दिया। युद्धों से हथियारों की बिक्री होती है और यह अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के लिए लाभप्रद उद्यम है। इससे रोजगार सृजित होता है और चुनाव प्रचार एवं उम्मीदवारों को धन मिलता है। पश्चिमी देशों में रोजगार के अवसरों के विस्तार का लालच, दुनिया के अन्य हिस्सों में निर्दोष लोगों की जान पर भारी पड़ता है, चाहे सरकारों के नैतिक दावे कुछ भी हों।अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में कहा, 'यदि आप रूसी आक्रामकता से निपटने के लिए यूक्रेन की रक्षा में हमारे द्वारा किए गए निवेश को देखें, तो हमने जो सुरक्षा सहायता प्रदान की है, उसका 90 फीसदी वास्तव में अमेरिका में निर्माताओं एवं उत्पादन पर खर्च किया गया है, जिससे अमेरिका में नौकरियां पैदा हुईं और हमारी अपनी अर्थव्यवस्था का ज्यादा विकास हुआ। इसलिए यह हमारे लिए फायदे का सौदा है, जिसे हमें जारी रखने की जरूरत है।' अमेरिकी विदेश मंत्री 2023 में ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।बीबीसी के विश्लेषक मैक्स मात्जा कहते हैं, 'हथियार हस्तांतरण और रक्षा व्यापार अमेरिकी विदेश नीति के महत्वपूर्ण उपकरण हैं, जिनका क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है।' अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने 80 अरब डॉलर से अधिक की बिक्री के लिए सीधे सौदा किया है, जो 2022 से 56 फीसदी ज्यादा है। बाकी अमेरिकी रक्षा कंपनियों द्वारा विदेशी देशों को सीधे हथियार बेचा गया था।यूक्रेन के विदेश मंत्री ने हाल ही में कहा कि प्रतिदिन युद्ध की लागत 13.6 करोड़ डॉलर है और अमेरिकी संसद एवं यूरोपीय संघ में यूक्रेन को सैन्य सहायता एवं आवंटन को लेकर हुए हंगामे के कारण पुतिन का मनोबल बढ़ा और उसने यूक्रेन पर बड़े और आक्रामक हमले का आदेश दिया। इसने यूक्रेन के करीबी अन्य यूरोपीय देशों को परेशान कर दिया है। और बदले में अमेरिकी हथियारों की विदेशों में बिक्री पिछले साल तेजी से बढ़ी, जो रिकॉर्ड कुल 238 अरब डॉलर तक पहुंच गई, क्योंकि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने हथियारों की मांग बढ़ा दी। यूक्रेन पर रूसी हमला शुरू होने के बाद से अमेरिका और यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को सैन्य सहायता और वित्तीय सहायता के रूप में क्रमशः 113 अरब डॉलर और 91 अरब डॉलर दिए हैं।मुख अमेरिकी समाचार एजेंसी पोलिटिको ने वाशिंगटन और उसके आसपास क्या कुछ चल रहा है, उस पर प्रकाश डाला है। जब ज्यादा से ज्यादा हथियारों के उत्पादन और बिक्री के लिए तीव्र पैरवी के प्रयासों की बात आती है, तो पोलिटिको ने दावा किया कि 'व्हाइट हाउस चुपचाप दोनों दलों के सांसदों से आग्रह करता है कि वे घरेलू आर्थिक उछाल के लिए दूसरे देशों में युद्धों को बढ़ावा दें। डेमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन, दोनों दलों के राजनेता रूस का प्रतिरोध करने के लिए यूक्रेन को सहायता देने का समर्थन करते रहे हैं, ताकि यह साबित किया जा सके कि ऐसा करना अमेरिका में रोजगार सृजन के लिए अच्छा है।'सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और रणनीतिकार, जो हथियार उद्योग में आकर्षक भूमिका निभाते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि रक्षा क्षेत्र के दिग्गजों की बोली यथासंभव प्रभावी तरीके लगाई जाए। यहां तक कि कुछ मीडिया घराने भी इन कंपनियों का समर्थन करने वाले समूह में शामिल हैं। बड़े रक्षा निगमों के शीर्ष अधिकारियों की शक्तिशाली पदों पर बैठे अमेरिकी राजनेताओं के साथ गहरी मिलीभगत है।प्रसिद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक मेल्विन गुडमैन संक्षेप में कहते हैं : 'अमेरिकी संसद विशेष रूप से हथियार लॉबी के प्रति उत्तरदायी है, जो किसी भी कानून, जिसमें सैन्य खर्च, सैन्य तैनाती और सैन्य हथियार शामिल हैं, के लिए भारी द्विदलीय बहुमत जुटाती है। सीनेटर और प्रतिनिधि सैन्य खर्च बिल को 'नौकरी' बिल मानते हैं।' अमेरिकी सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान के समर्थक पूरे सरकारी और अर्ध-सरकारी तंत्र में पैठ बनाए हुए हैं। लॉबिस्ट राजनेताओं के साथ सावधानीपूर्वक मिलीभगत करते हैं। रक्षा ठेकेदारों के राजनीतिक अभिजात वर्ग से गहरे संपर्क होते हैं और वे बड़ी रक्षा कंपनियों की तरह उन्हें उदारतापूर्वक चुनाव लड़ने के लिए धन देते हैं। बड़ी रक्षा कंपनियां थिंक टैंक और अन्य संबद्ध संस्थानों के संरक्षक होते हैं, जो हथियार विक्रेताओं के एजेंडे को आगे बढ़ा सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व के इस दौर में मातृभाषाओं के संरक्षण का सवाल

हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि कई मातृभाषाओं का समूच्य है। आज जब हिंदी भाषा पर बात होती है तो अवधी, ब्रजभाषा, बघेली, कुमाऊंनी व अन्य उसकी सहयोगी बोलियों का नाम लेने पर लोग पूछने लगते है यह कौन सी बोली व भाषा है? 'यह हिंदी नहीं है' ऐसा कहकर वह इनके साहित्य को पढ़ने और स्वीकारने से ही मना कर देता हैं।भारतीय ज्ञान परंपरा का मुख्य आधार किताबों से अधिक समाज रहा है। आमजन ने इसे पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप में सजोने और संवारने का भरसक प्रयास किया है। यह मौखिक परंपरा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। भारत जो एक बहुभाषी राष्ट्र है, उसके ज्ञान-विज्ञान की अमूल्य निधियां इन्हीं बोली भाषाओं में संचित है। इसमें से अधिकांश मौखिक रूप में व्यवहारित है। किंतु आज भाषा की मौखिक परंपरा धीरे-धीरे अवसान की तरफ बढ़ रही है। यदि भाषा का व्यवहारिक पक्ष ही समाप्त हो जाएगा तो मातृभाषाएं भी धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएंगी। भाषा का व्यवहारिक पक्ष ही भाषा को मजबूत बनाकर उसे पुस्तकाकार रूप प्रदान करता है। हमारी कितनी ही मातृभाषाएं, आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास की सहयात्री रही है और वर्तमान में वह अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। उनमें से कुछ को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त को पढ़ने और स्वीकारने से ही मना कर देता हैं। क्योंकि उनके लिए हिंदी का मतलब सिर्फ खड़ी बोली है। यह हमारी मानसिकता ही है कि आज अंग्रेजी भाषा शिक्षा और वर्चस्व की भाषा बन गई है।'भाषा' केवल संवाद और संपर्क का माध्यम मात्र नहीं है बल्कि वह हमारी पहचान व अस्तित्व से भी जुड़ी है। वैश्विक स्तर पर जब हम स्वयं को बहुभाषी राष्ट्र के रूप में संबोधित करते हैं, उसमें हमारी मातृभाषाओं का भी सहयोग है। प्रत्येक क्षेत्र की भाषा वहां के जीवन का सार है। उसकी सामाजिक संरचना को उसकी लोक भाषाओं के माध्यम से बेहतर समझा जा सकता है। एक गैरभाषी क्षेत्र में कार्य करने वाला व्यक्ति भी उस क्षेत्र को उसके लोक और मातृभाषाओं से निकटता स्थापित करके, उस समाज व समूह को बेहतर समझता है। विश्व भी हम भारतीय लोगों को हमारे भाषिक व्यवहार से पहचानता है। वह हमारे भाषिक व्यवहार को अपनाकर हमसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनत्व स्थापित करता है।नेल्सन मंडेला ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि 'यदि आप किसी आदमी से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो यह बात उसके दिमाग तक जाती है। अगर आप उसकी भाषा में बात करते हैं तो वह उसके दिल तक

हो गया और वह भाषा के रूप आठवीं अनुसूची का हिस्सा बन गई। लेकिन बहुत सी मातृभाषाएं एक स्थान, समुदाय विशेष से जुड़ी होने के कारण सिमट कर रह गई हैं। उनका साहित्यिक व सामाजिक रूप से कमतर प्रयोग एवं रोजगार की संभावनाओं में उनका कहीं भी नहीं होना, उन्हें विलुप्ति की कगार पर ले जा रहा है। आज के उपयोगितावादी दृष्टि के कारण युवा भी रोजगारपरक भाषा को ही अपनाना चाहता है।हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि कई मातृभाषाओं का समूच्य है। आज जब हिंदी भाषा पर बात होती है तो अवधी, ब्रजभाषा, बघेली, कुमाऊंनी व अन्य उसकी सहयोगी बोलियों का नाम लेने पर लोग पूछने लगते है यह कौन सी बोली व भाषा है? 'यह हिंदी नहीं है' ऐसा कहकर वह इनके साहित्य जाती है'। हमारी मातृभाषाएं हमारे हृदय का द्वार है। जो धीरे-धीरे भाषिक नीति-नियमों में उसकी अवहेलना के कारण सामाजिक भाषिक व्यवहार से लेकर शिक्षा तक में सिमटती जा रही हैं।आज का समय विज्ञान और तकनीक का है। हमारा युवा शिक्षा के माध्यम से इससे जुड़ रहा है। लेकिन कितने ही युवा भाषाई दूरियों के कारण विज्ञान और तकनीक से स्वयं को दूर कर रहे हैं। भाषा, ज्ञान के ग्रहण और संग्रहण दोनों का ही माध्यम है। लेकिन यदि वह शिक्षा किसी एक भाषा विशेष को केंद्र में रखकर पढ़ी-पढ़ाई जाती रहेगी तो युवा उस ज्ञान परंपरा से ही दूरी बना लेगा। मनोवैज्ञानिक तथ्य भी है कि बच्चा जितनी तेजी व बेहतर तरीके से अपनी मातृभाषा में ज्ञान को अर्जित कर सकता है, वह अन्य भाषा में संभव नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पीपीएफ खाते का उठाना चाहते हैं पूरा फायदा, इन बातों का जरूर रखें ख्याल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोग सेविंग और निवेश (घ्हनूेसहू) करते हैं। कई लोग स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं, हालांकि उसमें काफी रिस्क होता है। सार्वजनिक भविष्य निधि निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। यह रिटारमेंट सेविंग स्कीम है। इसमें भारत सरकार द्वारा रिटर्न की गारंटी दी जाती है। अगर आप अपने साथ अपने बच्चों के लिए भी पीएफ अकाउंट ओपन कर सकते हैं। पीएफ अकाउंट से कब निकासी करनी चाहिए और इसके ब्याज का कैलकुलेशन कैसे होती है। पीपीएफ अकाउंट से जुड़े कई बातों के बारे में जानते हैं ऐसे में कई लोग सार्वजनिक भविष्य निधि या पीपीएफ में निवेश करना पसंद करते हैं। यह भविष्य की जरूरतों के साथ रिटायरमेंट के बाद भी इनकम को जारी रखने के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। पीपीएफ रिटारमेंट सेविंग स्कीम है। भारत सरकार इसमें रिटर्न की गारंटी देता है। इसके अलावा इसमें टैक्स बेनिफिट का लाभ भी मिलता है।आप आयकर अधिनियम के सेक्शन 80 सी के तहत टैक्स डिडक्शन का लाभ पा सकते हैं। वर्तमान में सरकार पीपीएफ में 8.65 फीसदी का इन्टरेस्ट देता है। आज हम आपको पीपीएफ फंड से संबंधित जानकारी के बारे में बताएंगे जिनके बारे में कई लोगों को नहीं पता है।पीपीएफ में ब्याज की गणना हर महीने की 5 तारीख और आखिरी तारीख के बीच के न्यूनतम बैलेंस की जाती है। इसलिए, अकाउंट होल्डर को 5 तारीख से पहले योगदान देना चाहिए। अगर आप निकासी का सोच रहे हैं तो आपको महीने के 5 तारीख के बाद ही उसमें से निकालना चाहिए। पीपीएफ अकाउंट को आप किसी और के साथ मिलकर नहीं खोल सकते हैं। आप सेविंग () या करेंट अकाउंट () किसी साथी के साथ मिलकर खुलवा सकते हैं पर पीपीएफ अकाउंट केवल कर्मचारी के नाम पर खोला जाता है। आप अपने माइनर बच्चों के नाम से भी पीपीएफ अकाउंट खोल सकते हैं। अगर अभिभावक के पास पहले से ही पीएफ अकाउंट है तब अभिभावक अपने खाते के साख बच्चे के अकाउंट में सालाना 1.50 लाख रुपये जमा कर सकता है।

खतरे में सुक्खू सरकार कांग्रेस ने हिमाचल भेजा अपना 'चाणक्य', कर्नाटक और गुजरात में बचाई थी पार्टी की साख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।हिमाचल प्रदेश राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को मिली जीत के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। हिमाचल में भाजपा के नेता

प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज (28 फरवरी) कहा कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद सुक्खू सरकार ने शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है। डी के शिवकुमार और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने ऑब्जर्वर नियुक्त करते हुए हिमाचल भेजा है। संकटमोचक बनकर कई बार डी के शिवकुमार ने कांग्रेस को संकट से उबारा है। साल 2018 में हुए कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस-जेडीएस की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अहमद पटेल को राज्यसभा भेजने में भी उन्होंने काफी मेहनत की थी। इसी बीच कांग्रेस ने डी के शिवकुमार और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने आब्जर्वर नियुक्त करते हुए हिमाचल भेजा है। 'संकटमोचक' बनकर कई बार डी के शिवकुमार ने कांग्रेस को संकट से उबारा है। साल 2018 में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में ना भाजपा ना कांग्रेस, किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। इस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। हालांकि, बीजेपी बहुमत से पीछे थी। डीके शिवकुमार की राजनीतिक कौशल और रणनीति की वजह से कांग्रेस और जेडीएस का एक भी विधायक पाला नहीं बदल सका, जिसकी वजह से येदियुरप्पा सरकार बनती-बनती रह गई। गुजरात के राज्यसभा चुनाव में उन्होंने अहमद पटेल को जिताने में एक अहम भूमिका निभाई थी। अहमद पटेल को राज्यसभा भेजने की जिम्मेदारी लेते हुए अहमद पटेल ने गुजरात कांग्रेस के सभी 44 विधायकों को बेंगलुरु में अपने रिसॉर्ट में भेज दिया। इसका असर ये हुआ कि एक भी विधायक पाला नहीं बदल सका।

कर्नाटक में कांग्रेस की बल्ले-बल्ले, भाजपा के हाथ लगी बस एक सीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने लगे है। सबसे पहले कर्नाटक के रिजल्ट घोषित किए गए। यहां सत्तारूढ़ कांग्रेस को बड़ी

जीत हासिल हुई है। बता दें कि राज्य से कांग्रेस के तीन राज्यसभा उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी सीटें जीत ली है। जीतने वाले उम्मीदवारों में अजय माकन, नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर हैं। कांग्रेस ने मंगलवार को कर्नाटक में राज्यसभा के लिए सभी तीन सीटों पर जीत हासिल कर ली जबकि भारतीय जनता पार्टी को एक सीट ही मिली।कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन डॉ. सैयद नसीर हुसैन और जीसी चन्द्रशेखर ने 4746 और 46 वोटों से जीत हासिल की। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्यसभा चुनाव की जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की एकता और अखंडता को दर्शाता है। वहीं, भाजपा ने केवल एक सीट पर ही जीत हासिल की है। जीतने वाले में बीजेपी के नारायण बंदिगे है। बता दें कि अभी हिमाचल और उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणामों का इंतजार किया जा रहा है। समाचार एजेंसीं घ्य् के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और जीसी चन्द्रशेखर ने 47, 46 और 46 वोटों से जीत हासिल की। बता दें कि चुनाव में चार सीटों के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें जद (एस) के उम्मीदवार डी कुपेंद्र रेड्डी भी शामिल थे। चुनाव में क्रॉस वोटिंग की वजह से हंगामा हुआ। जबकि भाजपा विधायकों में से एक, एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस के माकन के लिए मतदान किया, दूसरे, ए शिवराम हेब्बार ने मतदान में भाग नहीं लिया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्यसभा चुनाव की जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की एकता और अखंडता को दर्शाता है। उन्होंने कहा 'मैं सभी विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया को धन्यवाद देता हूं। मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कांग्रेस के सभी उम्मीदवार जीत गए हैं। मैं सभी मतदाताओं, सीएम और पार्टी कार्यकर्ताओं और एआईसीसी अध्यक्ष को भी धन्यवाद देता हूं।

विकसित भारत के लक्ष्यों के हिसाब से काम करे इंडिया इंक, युवाओं को बेहतर भारत देना हमारा कर्तव्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विगत कुछ दिनों में कई बार यह भरोसा जता चुके हैं कि आगामी आम चुनाव के बाद वह फिर से सरकार बनाएंगे। अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी सरकार के आर्थिक एजेंडे को भी सामने रख दिया है। मंगलवार को उद्योग जगत के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में आगामी आर्थिक सुधारों का एजेंडा प्राथमिकता के तौर पर लिया जाएगा। अगली सरकार क्षेत्रवार सुधारों पर आगे बढ़ेगी। उद्योग संगठन फिक्की की तरफ से 2047 में विकसित भारत और उद्योग विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने उद्योग जगत को भी यह संदेश दिया कि वह भी विकसित भारत के लक्ष्यों के हिसाब से काम करें। देश वर्ष 2047 तक विकसित देशों

की श्रेणी में शामिल हो इसके लिए उद्योग जगत को भी एक अहम भूमिका निभानी है। उद्योग संगठन फिक्की की तरफ से '2047 में विकसित भारत और उद्योग' विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने उद्योग जगत को भी यह संदेश दिया कि वह भी विकसित भारत के लक्ष्यों के हिसाब से काम करें। सीतारमण ने कहा, "पीएम नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का मतलब देश के हर नागरिक को एक बेहतर भारत में जीने का अवसर देना है। ऐसा देश बनाना हमारा मकसद है, जहां युवाओं को हर तरह की सुविधा हो और वह देश छोड़ने के लिए मजबूर नहीं हों। युवाशक्ति को एक बेहतर भारत देना हमारा कर्तव्य है।" देश वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो, इसके लिए उद्योग जगत को भी एक अहम भूमिका निभानी है। सीतारमण ने कहा, "जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था तब भी भारतीय उद्यमियों ने काफी मदद की थी। विदेशी ताकतों के दबाव के बावजूद भारत में उद्योग स्थापित किए गए और क्षमता विस्तार किया गया। भारतीय उद्यमियों ने हमेशा देश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है। जब हम विकसित भारत बनने की तरफ अग्रसर हैं तो मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय उद्योग जगत भी इस उद्देश्य के साथ काम करेगा।

वार्नर कॉलेज ऑफ़ डेरी टेक्नोलॉजी अपना शताब्दी वर्ष पूर्ण होने की ख़ुशी में सेमिनार एवं कांफ्रेंस का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज।इस संस्थान में सबसे पहला पाठ्यक्रम इंडियन डेरी डिप्लोमा इन डेरी टेक्नोलॉजी (आई डी डी-डी टी) का शुभारम्भ 1 जनवरी वर्ष 1924 हुआ था! राष्ट्रीय विज्ञानं दिवस 28 फ़रवरी 2024 को विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी थीम/प्रसंग के साथ बड़े ही उल्लास से मनाया गया! कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्नर कॉलेज ऑफ़ डेरी टेक्नोलॉजी के डीन/अधिष्ठाता डॉ संदीप जी एम् प्रसाद ने की! उन्होंने स्वदेशी तकनीकी पर प्रकाश डालते हुए बोला कि हमारे वार्नर कॉलेज में जो भी डेयरी/दुग्ध उत्पाद बनता है वो स्वदेशी होने का सबसे बड़ा प्रमाण है। दूध दही मक्खन एवं पनीर आदि उत्पाद नई नई तकनीकियों से बनाए जा रहे है। जो स्वदेशी तकनीक की अच्छी मिसाल है।कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर शांता पीटर (सहायक प्राध्यापक) एवं डॉ अनामिका दास ने किया। कार्यक्रम में शुआट्स विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ विश्वरूप मेहरा मुख्य अतिथि रहे। इन्होंने विज्ञान पर प्रकाश डालते हुए बोला की दर्शन शास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान ये सभी विज्ञान के हिस्से है। विज्ञान की सीमा को बांधा नही जा सकता। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ आरिफ ए ब्रॉडवे (निदेशक, प्रसार निदेशालय शुआट्स) रहे। इन्होंने विज्ञान में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को सराहा। कार्यक्रम का समापन डेयरी टेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ अविनाश सिंह ने किया। कार्यक्रम के संचालन में सहायक प्राध्यापक डॉ शंकर सुवन सिंह , डॉ संगीता शुक्ला, डॉ अनामिका दास, डॉ गौरव यादव, डॉ प्रिय ब्रत गौतम, डॉ अंकिता गौतम, डॉ चंद्रशेखर बी, डॉ पुनीत अरोड़ा, इंजीनियर तेजस जैकब, इंजीनियर अंकुर रमोला, बीजू जॉन आदि कर्मचारियों ने सहभागिता की।

उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिला भरपूर समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा।नोएडा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य नोएडा कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता यतेन्द्र शर्मा ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा जो मुरादाबाद से अमरोहा होते हुये बुलंदशहर होते हुए अलीगढ़ से आगरा पहुंची पूरे पश्चिम उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को भरपूर समर्थन मिला कांग्रेस नेता यतेन्द्र शर्मा ने बताया कि यात्रा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव उत्तर प्रदेश की पूर्व प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी भी शामिल हुई उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अपने नेता राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी से मुलाकात की उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में संघर्षशील जुझारू कर्मठ महेनती कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाता है मेरे नेता राहुल गांधी ने मुझसे कहा ऐसे ही संघर्ष करते रहो अब वो दिन दूर नहीं अब कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

खाली प्लॉट में बोरी में भरकर फेंके गए नर कंकाल हैरत में लोग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
कानपुर ।बर्रा थाना क्षेत्र में खाली प्लॉट में नर कंकाल मिले हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।कानपुर में बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत दामोदर नगर के सेंगर चौराहे के खाली पड़े प्लॉट में नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। इलाकाई लोगों ने हड्डियों के कंकाल देख पुलिस को दी सूचना। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की है। बताया गया है कि कंकाल बोरी में भरकर फेंके गए हैं। मामला बर्रा थाना क्षेत्र के बर्रा चौकी का है।सेंगर चौराहे के पास खाली प्लॉट है, जिसमें कई नरमुंड, हड्डियां आदि बिखरे पड़े हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी के आधार पर खोजबीन की जा रही है। किसने फेंके हैं, कहां से आए हैं आदि की जानकारी जुटाई जा रही है।

स्कूल वैन की चपेट में आने से राजगीर की मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
आजमगढ़। शहर कोतवाली के हीरापट्टी मुहल्ला स्थित हरिजन बस्ती के पास मंगलवार की सुबह स्कूल वैन की चपेट में आने से साइकिल सवार राजगीर की मौत हो गई। घटना के समय वह ब्रह्मस्थान से वापस घर जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।हीरापट्टी मुहल्ला निवासी बहादुर चौहान 36 राजगीर का काम करता था। मंगलवार की सुबह वह साइकिल से किसी काम के लिए ब्रह्मस्थान मोहल्ले में गया था। साढ़े सात बजे के आसपास वह वापस घर लौट रहा था। अभी वह घर के पास हरिजन बस्ती में पहुंचा था कि एक स्कूल वैन की चपेट में आ कर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल बहादुर चौहान को तत्काल जिला अस्पताल ले कर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बहादुर एक पुत्र व एक पुत्री का पिता था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

27 लाख के लागत से गौशाला में निर्माण कार्य का हुआ लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित अस्थाई गौशाला परिसर में बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद के नेतृत्व में उद्घाटन कर शुभारंभ किया गया इस दौरान नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि पंचम राज वित्त आयोग मत के द्वारा अस्थाई गौशाला पानी टंकी के समीप नाली इंटरलॉकिंग व लोहे की रेलिंग लगाने का आकार लगभग 27 लाख के लागत से कार्य कराया गया जिसमें गौ माता की

रखरखाव सुंदरीकरण के साथ ही उनके विभिन्न सुविधाओं को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी अवगत कराया श्री रूबी प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं नगर विकास मंत्री के विकसित भारत संकल्प के साथ आज गौ माता के सेवा को लेकर संकल्पित नगर पालिका एक संदेश देने का कार्य कर रही है उसी क्रम में बुधवार को सुंदरीकरण इंटरलॉकिंग के साथ अन्य कार्य कराया गया इसी तरह नगर पालिका क्षेत्र के विकसित कार्यों में संकल्पित नगर पालिका कर्मचारी साथ जिला प्रशासन लगा हुआ है नगर को विकसित कर भाजपा सरकार के संकल्प को पूर्ण करने का सपना साकार किया जाएगा ।

सेक्टर 62 मे हुआ युवा चौपाल का आगमन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा।नोएडा भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में जयपुरिया इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट सेक्टर 62 में युवा चौपाल का आयोजन कियायुवा चौपाल में युवाओं को संबोधित करते हुए

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य प्रांशु दत्त द्विवेदी ने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की जनकल्याणकारी योजनाओं और कुशल प्रशासन एवं कानून व्यवस्था के विषय में युवाओं को संबोधित किया उन्होंने बताया की एक तरफ जहां आदरणीय प्रधानमंत्री जी अखंड एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए दृढ़ संकल्पित है तथा भारत विकसित राष्ट्र बने इसके लिए अपना जीवन माँ भारती की सेवा मे समर्पित किये हुए हैं। प्रांशु दत्त द्विवेदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए एक तरफ 500 वर्षों के संघर्ष के उपरांत आज प्रभु श्री राम लाल के भव्य मंदिर निर्माण तथा दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए सार्वजनिक शौचालय बनाने से लेकर के प्रधानमंत्री आवास योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मुद्रा योजना हर घर नल से जल इत्यादि योजनाओं का जिक्र किया। संपूर्ण सभागार जय जय श्री राम के नारों से गुँजायमान हो उठा।युवा तरुणाई को संबोधित करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सुखविंदर सोम ने बताया कि आज आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत अनेक उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर है तथा आज भारत एक तरफ जहां स्टार्टअप का हब बन रहा है तो उसी के साथ 100 से भी अधिक यूनिकॉर्न भारत के युवाओं ने देश को समर्पित किए हैं उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वह सभी डिजिटल क्रांति के आज के दौर में प्रधानमंत्री मोदी जी का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं। युवा चौपाल को संबोधित करते हुए भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र अवाना ने बताया कि आज प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की एक नई गाथा लिख रहा है उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी के भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कुशासन और भ्रस्टाचार की जगह आज जनता को मोदी जी और योगी जी की विकास परक सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीति पर कार्य करने वाली सरकारी मिली है जिनके नेतृत्व में आज देश का प्रत्येक नागरिक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। युवा चौपाल में उपस्थित सभी युवाओं से भाजयुमो प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष नरेंद्र भाटी ने उत्तर प्रदेश में पूर्व की सपा सरकार के समय पश्चिमी उत्तर प्रदेश में व्याप्त गुंडाराज का जिक्र किया तथा बताया कि आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश किस प्रकार से विश्व स्तरीय राष्ट्रीय राजमार्गों अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का केंद्र बना हुआ है।

सरस मेले में कार्यशाला के माध्यम से दीदियों में भरा उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित एवं

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित नोएडा हाट में चल रहे सरस आजीविका मेले में बुधवार को भी दीदियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।सरस मेले में बुधवार को 13वें दिन दीदियों के लिए ग्रामीण उत्पादों की बेहतर डिजाइनिंग एवं पैकेजिंग विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलोजी की सचिव रितिका अग्रवाल ने सभी दीदियों का कुशल डिजाइनिंग एवं पैकेजिंग के गुर बताए। साथ ही बताया कि अपने उत्पादों की डिजाइनिंग और पैकेजिंग में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपके उत्पाद की पैकेजिंग ऐसी हो कि उसमें रखा गया सामान लंबे अर्से तक सुरक्षित रहे। उन्होंने यह भी कहा कि हर नई चीज अच्छी नहीं हो सकती इसलिए आप ऑर्गेनिक और सस्टेबल पर अधिक भरोसा रखें। आप सभी को आगे बढ़ाने की सोच को लेकर हमारे प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को छोटा कर दिया है।इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) की दिल्ली शाखा प्रभारी डॉ रुचिरा भट्टाचार्य ने सभी दीदियों उनके कारोबार को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने उत्पादों में बेहतरी लाएं और पैकेजिंग ऐसी हो कि आपका प्रोडक्ट कस्टमर खरीदकर ले जाए तो वह दूर लेकर जाने पर भी सुरक्षित रहे। वर्कशॉप में मुख्य रूप से एनआईआरडीपीआर के असिस्टेंट डायरेक्टर चिरंजीलाल कटारिया, सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश प्रसाद सहित उनकी टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सरस मेले के 13वें दिन बुधवार को लोगों ने यहां जमकर खरीदारी की। असम, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट तथा हैंडलूम के उत्पादों की यहां महिलाओं ने खरीदारी की। नोएडा हाट में आयोजित सरस मेले में मौजूद 29 राज्यों के 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, जो परंपरा, हस्तकला एवं ग्रामीण संस्कृति तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है। सरस मेलों के माध्यम से लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मेले में बच्चों के खेलकूद व मनोरंजन के लिए भी संसाधन मौजूद हैं। मेले में दिल्ली-नोएडा सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लाखों दर्शक व ग्राहक भाग ले रहे हैं। दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। सरस आजीविका मेले में इस बार महत्त्वपूर्ण इंडिया फूड कोर्ट में देश भर के 20 राज्यों की 80 (उद्धमी) गृहणियों के समूह ने अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टाल लगाए हैं, जिसमें हर प्रदेश के क्षेत्रीय व्यंजनों के स्वाद का अनोखा आनंद प्राप्त हो रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर 'क्रैक' ने बनाई पकड़ मंगलवार को नहीं गिरने दिया बिजनेस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक बॉक्स ऑफिस पर एड़ी-चोटी का दम लगा रही है। रिलीज के बाद ओपनिंग वीकेंड पर ही क्रैक को झटका लगा। वहीं, मंडे टेस्ट में तो फिल्म की सांस फूलने लग गई। हालांकि, अब क्रैक ने मामला संभालने की पूरी कोशिश की है।विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक ने बीते शुक्रवार को थिएटर्स में दस्तक दी है। रिलीज से पहले एक्टर फिल्म का जोर- शोर से प्रमोशन कर रहे थे। हालांकि बिजनसे को इससे ज्यादा फायदा मिलते हुए नहीं दिख रहा है क्योंकि क्रैक ओपनिंग डे से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है। हालांकि मंगलवार को कलेक्शन में थोड़ा सुधार देखने को मिला। वर्क डेज पर ज्यादातर फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करना पड़ता है। ऐसा ही हाल विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक का भी है।क्रैक कुछ दिनों पहले 23 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई है। फिल्म में एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें विद्युत जामवाल ने बस्ती में रहने वाले शख्स का किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर एक्टर ने कई दिनों तक जबरदस्त प्रमोशन भी किया, लेकिन शायद दर्शकों को लुभा नहीं पाए, क्योंकि बिजनेस रिपोर्ट कुछ खास अच्छी नहीं रही।क्रैक ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 4.25 करोड़ के साथ खाता खोला। वहीं, दूसरे दिन कमाई

2.15 और तीसरे दिन 2.30 करोड़ रही। इसके साथ ही ओपनिंग वीकेंड पर फिल्म सिर्फ 8 करोड़ के करीब कलेक्शन कर पाई।क्रैक का असली इम्तिहान सोमवार को हुआ। मंडे टेस्ट में फिल्म का बिजनेस गिरकर धड़ाम हो गया। क्रैक ने 26 फरवरी को सिर्फ 1 करोड़ कमाए। वहीं, मंगलवार की बात करें, तो फिल्म ने बिजनेस पर थोड़ा लगाम लगाने की कोशिश की। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 27 फरवरी को भी क्रैक ने 1 करोड़ कमाए। इसके साथ ही रिलीज के 5 दिनों में फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लगभग 10.70 करोड़ का बिजनेस कर लिया है।क्रैक की स्टार कास्ट की बात करें, तो फिल्म में विद्युत जामवाल के साथ अर्जुन रामपाल एमी जैक्सन और नोरा फतेही लीड रोल में हैं। फिल्म का डायरेक्शन आदित्य दत्त ने किया है, जबकि प्रोड्यूस एक्शन हीरो फिल्म्स एंड पीजे पिक्चर्स, विद्युत जामवाल और पराग सांघवी ने किया है। वहीं आदी शर्मा और आदित्य चौकसी क्रैक के को-प्रोड्यूसर्स हैं। रिलायंस एंटरटेनमेंट ने 'क्रैक' को प्रेजेंट किया है।

मुझे डर लगता है उनसे सलमान खान को लेकर ये क्या बोल गई 'बिग बॉस 17' की खानजादी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 17' का हिस्सा रहीं फिरोजा खान उर्फ खानजादी को इस शो में सलमान खान से खूब लताड़ लगी थी। शो में होस्ट के साथ खानजादी के टर्म्स अच्छे नहीं थे, जिसका खामियाजा उन्हें बेघर होकर चुकाना पड़ा। अब खानजादी ने अपने बिहेवियर के लिए माफी मांगी है। उन्होंने खुल्लम खुल्ला कहा है कि उन्होंने जो किया, वो नहीं करना चाहिए था का जलवा पूरी दुनिया में मशहूर है। उनकी गुड और बैड साइड उनके सभी चाहने वालों ने देखी है। बिग बॉस के कई सीजन्स में अक्सर एक्टर को कंटेस्टेंट्स पर गुस्सा करते देखा गया है। इस साल जनवरी में खत्म हुए बिग बॉस 17 में सलमान के निशाने पर कई कंटेस्टेंट्स थे जिसमें खानजादी एक थीं।

सलमान ने उन्हें बुरी तरह लताड़ लगाई थी'बिग बॉस 17' में खानजादी का सफर ज्यादा लंबा नहीं चला और वह दो महीने के अंदर ही बेघर कर दी गई थीं। हालांकि, जब तक वह रहीं, शो के फर्स्ट रनर अप अभिषेक कुमार के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली। दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। वहीं, मनारा चोपड़ा, नावेद सोल के साथ उनकी भयंकर लड़ाई हो चुकी थी।खानजादी ने बताया था कि उन्हें की बीमारी है। वह अक्सर इसका जिक्र करती थीं, जिससे परेशान होकर सलमान ने उन्हें ऐसा न करने की नसीहत दी, तो खानजादी उन पर ही बरस पड़ीं, जिसका नतीजा हुआ कि उन्हें एक हफ्ते में ही बेघर कर दिया गया। अब खानजादी ने अपने बर्ताव के लिए माफी मांगी है।

पति के जेल जाने पर शिल्पा शेट्टी से छीने गए थे कई कॉन्ट्रैक्ट राज कुंद्रा ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की तरह उनके पति बिजनेसमैन राज

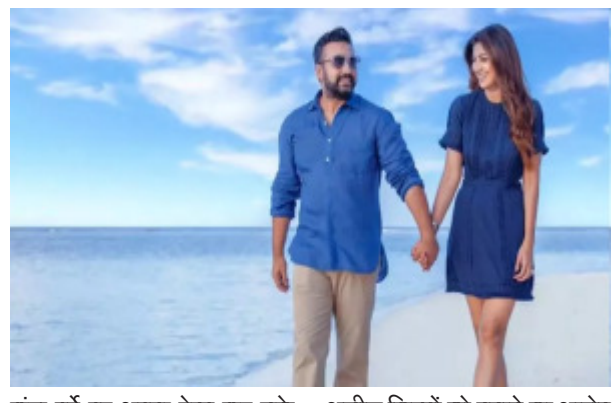

कुंद्रा पर्दे पर अपना डेब्यू कर चुके हैं। बीते साल नवंबर में राज की फिल्म यूटी69 रिलीज हुई थी। ये फिल्म राज की कहानी पर बनी और इस फिल्म का हीरो भी राज कुंद्रा ही थे।साल 2021 में राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्मों को बनाने का आरोप लगा था और उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। अब सालों बाद इस पर राज कुंद्रा ने खुलकर बात की है। उनहोंने अपने पुराने दिनों को याद किया और बताया कि मेरी वजह से मेरी पतने शिल्पा शेट्टीट को काफी कुछ झेलना पड़ा था ।साल 2021 में राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्मों को बनाने का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें कुछ वक्त तक जेल में भी रहना पड़ा था। अब एक बार फिर राज कुंद्रा ने अपने उन दिनों को याद किया और बताया कि मेरी वजह से मेरी पतने को काफी कुछ झेलना पड़ा था और इस स्कैंडल ने उनकी निजी जिंदगी पर काफी असर डाला।राज कुंद्रा ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा है, इस स्कैंडल का उनकी शादी पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने स्वीकार किया कि हालांकि जो कुछ भी हुआ वह भयानक था, लेकिन आपसी समझ और विश्वास के कारण उन्हें अपनी पतनी शिल्पा शेट्टी से हिम्मत मिली। उन्होंने कहा कि अगर कोई उन्हें उनके बारे में कुछ बताता है, तो उन्हें पता होता है कि कितना विश्वास करना है। आगे बताते हुए राज ने खुलासा किया कि जब शिल्पा ने इस मामले के बारे में सुना तो वह हंस पड़ीं और कहा कि यह सच नहीं है। राज ने आगे कहा, यदि आप एक साथ घर पर रह रहे हैं और इसमें अश्लील फिल्म जैसी कोई चीज शामिल है, तो आपको पता चल जाएगा।आगे राज ने बताया कि इन सबका खामियाजा मेरी पतने शिल्पा शेट्टी को भुगतना पड़ा था। शिल्पा को कई कॉन्ट्रैक्ट और टेलीविजन काम गंवाने पड़े थे। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि मैंने एक सेलिब्रिटी से शादी की है। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो मुझे नहीं लगता है कि इसका आधा भी नुकसान होता। मुझे लगता है कि वे मुझ पर नहीं, बल्कि मेरी पतने और बच्चों पर हमला कर रहे थे।

रकुल प्रीत सिंह के मेहंदी वाले लहंगे को बनने में लगे थे 680 घंटे जानें क्या है इसमे खास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंध चुके हैं। शाम हुई तो दुल्हा-दुल्हन ने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिनसे नजरें हटाना मुश्किल हो गया। वहीं शादी के बाद भी ये कपल अपने प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन की फोटोज साझा कर रहा है।मंगलवार को रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कपल पंजाबी रलुक में नजर आया। रकु ऑरेंज और पिंक कलर के फुलकारी लहंगे में बेहद खूबसूरत दिखीं तो वहीं, जैकी भी पिंक और क्रीम कलर के कुर्ते पजामे में हैंडसम नजर आए। अब कपल डिजाइन ने आउटफिट को लेकर कुछ जानकारी साझा की है, जिसमें बताया है कि इसे तैयार कैसे और कितने घंटों में किया है। आइए जानें रकुल के मेहंदी आउटफिट की डिटेल्स।रकुल प्रीत सिंह ने मेहंदी आउटफिट को जाने-माने डिजाइनर अर्पिता मेहता

की गई थीं जिसमें यह कपल पंजाबी लुक में नजर आया । रकुल रेड और पिंक कलर के फुलकारी लहंगे में बेहद खूबसूरत दिखीं। अब कपल डिजाइन ने आउटफिट को लेकर कुछ जानकारी साझा की है ।मंगलवार को मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें यह ने डिजाइन किया था। डिजाइनर अर्पिता मेहता ने सोशल मीडिया पर इस आउटफिट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दिखाया जा रहा है कि कैसे अर्पिता की पूरी टीम मिलकर इसे बना रही हैं और कितनी बारीकियों से काम हो रहा है।

शाहिद कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में किया गया था बुली सालों बाद एक्टर ने बॉलीवुड कैम्प का खोला कच्चा चिट्ठा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शाहिद कपूर बॉलीवुड में सुपरस्टार की हैसियत रखते हैं। एक्टर ने ये मुकाम अपनी मेहनत से हासिल किया है, लेकिन ये सफर उनके लिए आसान नहीं

था। दिल्ली के रहने वाले शाहिद जब मुंबई पहुंचे, तो उन्हें कई बार भेदभाव का सामना करना पड़ा और ये सिलसिला सालों तक चला।शाहिद कपूर ने बॉलीवुड में इनसाइडर और आउटसाइडर की बहस पर अपनी राय रखी। जहां ज्यादातर सेलिब्रिटी इस मुद्दे से बचने की कोशिश करते हैं वहीं शाहिद ने खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि वो भी बॉलीवुड कैम्प का शिकार हो चुक हैं। यहां तक कि करियर के शुरुआती दौरा में उन्हें बुली तक किया गया था।शाहिद कपूर ने बॉलीवुड में इनसाइडर और आउटसाइडर की बहस को सही बताया। एक्टर ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बाहर से आने वालों को परेशान किया जाता है और उन्हें काम नहीं करने दिया जाता। नेहा धूपिया को शो नो फिल्टर नेहा पर शाहिद कपूर ने कैम्प कल्चर की आलोचना की। एक्टर ने खुलासा किया कि बॉलीवुड के अंदर के लोग इंडस्ट्री में बाहरी लोगों को आसानी से स्वीकार नहीं करते हैं।बॉलीवुड कैम्प कल्चर पर बात करते हुए शाहिद कपूर ने बताया कि वो अपने करियर में कभी भी किसी कैम्प कल्चर का हिस्सा नहीं रहे। एक्टर ने कहा, शायद मुझमें किसी कैम्प का हिस्सा बनने की क्वालिटी नहीं है। मैं दिल्ली से था, जब मैं मुंबई आया तो मुझे मेरी क्लास में भी एक्सेप्ट नहीं किया गया। मैं आउटसाइडर था, क्योंकि मेरा लहजा अलग था, मेरी बोली दिल्ली वाली थी। मेरे साथ बहुत लंबे समय तक बहुत बुरा बर्ताव किया गया।ठएक्टर ने आगे कहा, हम किराए के घर में रहते थे, इसलिए हर 11 महीने में हम शिफ्ट हो जाते थे। मैं नई बिल्डिंग में जाता था, तो वहां उन लोगों से दोस्ती करने की कोशिश करता था, जो मुझे नहीं जानते थे। फिर मैं श्यामक दावर से मिला और कॉलेज गया, जहां मुझे एक्सेप्ट कर लिया गया। आखिरकार अब मेरे पास दोस्तों का अपना ग्रुप था और फिर मैं एक्टर बन गया। जब मैं इंडस्ट्री में आया तो मुझे एहसास हुआ कि यह भी एक स्कूल की तरह ही है। यहां भी बहार वाले को आसान से स्वीकार नहीं करते ये लोग, इनको बड़ी समस्या होती है के तुम आ कैसे गये अंदर। कई सालों तक आपको ये सब झेलना पड़ता है।शाहिद ने बुली किए जाने पर बात करते हुए कहा, मुझे कैम्प कल्चर पसंद नहीं है। मुझे कोई क्रिएटिव है और किसी के साथ काम करना चाहता है।

ऑस्कर' गई अमिताभ बच्चन की इस फिल्म में संगीत देकर हुए लोकप्रिय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। गायक अपनी आवाज का जादू चलाते है, संगीतकार अपने संगीत की कला से गीत को और भी आकर्षक बनाते हैं और सबसे जरूरी गीतकार जो एक गीत की रचना करते है...म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज संगीतकार गीतकार और गायकों में से एक अब भले ही

इस दुनिया में नहीं है लेकिन वह अपने सदाबहार गीतों के जरिए चाहने वालों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। 28 फरवरी को रविंद्र जी की बर्थडे एनिवर्सरी है। इस खास मौके पर हम आपको गायक के बारे में कुछ दिलचस्प किस्से बताने जा रहे हैं।संगीत की दुनिया में कोई बेहतरीन गायक बना, कोई संगीतकार तो कोई गीतकार... मगर एक ऐसी शख्सियत रही, जिन्होंने इन तीनों विभागों में महारत हासिल की और दुनियाभर में मशहूर हो गए। हम बात कर रहे हैं 28 फरवरी 1944 को अलीगढ़ में जन्मे रवींद्र जैन की।संस्कृत के पंडित इंद्रमणि जैन और किरण जैन के घर जन्मे रवींद्र जैन दृष्टिहीन थे, लेकिन उनके अंदर प्रतिभा की तेज रोशनी थी, जो उन्हें दुनिया से अलग बनाती थी। बचपन में ही पिता को रवींद्र जी की प्रतिभा का एहसास हो गया था। उन्होंने जी.एल. जैन, जनार्दन शर्मा और नाथू राम जैसे दिग्गजों से संगीत की शिक्षा हासिल की थी।रवींद्र जैन ने अपनी गायकी मंदिरों से शुरू की थी। जी हां, फिल्मों में आने से पहले वह मंदिरों में भजन गाया करते थे। फिर 1972 में उन्हें 'कांच और हीरा' मिली, जिसमें उन्होंने 'नजर आती नहीं मंजिल' गीत बनाया, जिसे आवाज दी थी मोहम्मद रफी ने। फिल्म भले ही न चली हो, लेकिन रवींद्र जी को अपना रास्ता मिल गया था। रवींद्र जैन के करियर में मील का पत्थर साबित हुई थी अमिताभ बच्चन की फिल्म 'सौदागर' (1973)। ये फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स के लिए देश की ऑफिशियल एंट्री भी रही थी। भले ही 'सौदागर' ने रवींद्र जी की किस्मत का ताला खोल दिया था।

वर्ल्डवाइड बिजनेस बढ़ाने में लगी शाहिद-कृति की फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का बिजनेस हिचकोले खा रहा है। फिल्म भारत में

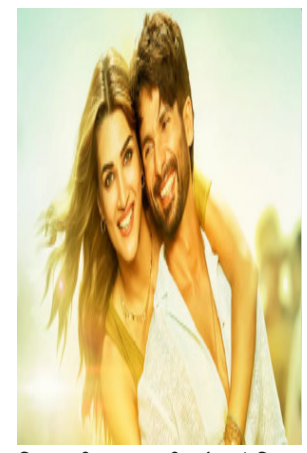

पिछड़ती जा रही है, लेकिन वर्ल्डवाइड 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का कलेक्शन आगे बढ़ रहा है। अब फिल्म ने 150 करोड़ क्लब की ओर निशाना साधा है।शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के लिए अब बिजनेस करना मुश्किल हो रहा है क्योंकि मुकाबले में यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक आ गई है। फिर भी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया अभी रुकने को तैयार नहीं है।तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के लिए अब बिजनेस करना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि मुकाबले में दो नई फिल्में आ गई हैं। इनमें यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक शामिल है। हालांकि, पीछे हटने तो तैयार नहीं है।तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' वैलेंटाइन वीक के मौके पर रिलीज हुई थी। वहीं, अब फिल्म ने थिएटर्स में 18 दिनों का सफर पूरा कर लिया है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म काफी पहले 100 करोड़ क्लब में एंट्री कर गई थी। अब 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' 150 करोड़ की ओर बढ़ रही है। अपडेट के अनुसार, सोमवार (26 फरवरी) तक फिल्म ने दुनियाभर में 133.43 करोड़ की ग्रॉस कमाई कर ली है।

रॉन्ग साइड से आने पर होम गार्ड ने रोका तो आगबबूला होकर एक्ट्रेस सौम्या जानू ने सड़क पर की ये हरकत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। फिल्म स्टार्स अक्सर कभी-कभार कुछ ऐसे झमेले में पड़ जाते हैं, जहां छोटी सी सिचुएशन भी उन्हें मुश्किल में डाल देती है। कभी फैंस के साथ किए गए रूड बिहेवियर की वजह से, तो कभी

किसी के लिए किए गए किसी कमेंट की वजह से, फिल्म स्टार्स अक्सर सोशल मीडिया पर मजाक का पात्र बने रहते हैं। ऐसा ही कुछ एक्ट्रेस सौम्या जानू के साथ हुआ।एक्टर्स का अक्सर किसी न किसी बात पर पब्लिक में किसी से झगड़ा हो ही जाता है। इसी कड़ी में साउथ एक्ट्रेस सौम्या जानू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें उन्हें ट्रैफिक होम गार्ड के साथ बदतमीजी करते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने अपने बचाव में ट्रैफिक होम गार्ड से दम लगाकर लड़ाई की जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।सौम्या जानू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक होम गार्ड के साथ लड़ाई करती नजर आ रही हैं। सौम्या जानू ने सड़क पर इस कदर हंगामा मचाया कि भीड़ इकट्ठा हो गई। ट्रैफिक होमगार्ड और एक्ट्रेस के बीच हुई झड़प का पूरा मामला कैमरे में कैद कर लिया गया और अब एक्ट्रेस को उनके बिहेवियर के लिए फैंस से लताड़ मिल रही है। मामला हैदराबाद का है। एक्ट्रेस सौम्या जानू गलत साइड से आ

रही थीं और ट्रैफिक होम गार्ड ने उन्हें रोक लिया। सहयोग करने की बजाय सौम्या उनसे ही लड़ने लगीं। एक्ट्रेस ने खुद को शांत करने के बजाय डिफेंड किया कि कई लोग गलत साइड से आते हैं। हम पुलिस वालों की रिस्पेक्ट करते हैं और ये हमारे साथ ऐसे करते हैं। ऐसे लोगों के कारण पूरा डिपार्टमेंट बदनाम होता है। बताया जा रहा है कि इस एक्ट्रेस ने गुस्से में होम गार्ड के कपड़े तक फाड़े और उनका फोन छीन लिया।इस इंसिडेंट के बाद सौम्या जानू के खिलाफ बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें हमले का पूरा ब्योरा दिया गया। साथ ही सबूत के तौर पर वह वीडियो भी सौंपा, जो रिकॉर्ड किया गया था। वीडियो वायरल होने के बाद फैंस ने सौम्या जानू के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अंकिता लोखंडे से शादी नहीं करना चाहते थे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन बिग बॉस 17 के बाद

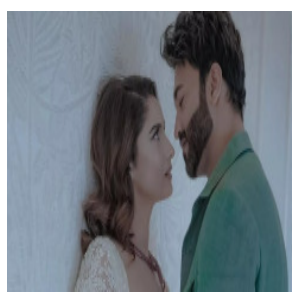

लगातार सुखिर्यों में बना हुआ है। शो में इस कपल की लड़ाई को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। शो में कई अंकिता ने विक्की से अलग होने की बात भी कही थी, हालांकि उन्होंने बाद में कबूल किया था कि वो बस गुस्से में बोल दिया था।वह अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने साल 2021 में शादी की थी। ऐसे में अब खबर है कि विक्की जैन ने शुरुआती दिनों में अंकिता से शादी करने के लिए मना कर दिया था। इसका दावा खुद एक्ट्रेस ने भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के शो में किया है।खैर, शो खत्म हुआ और अब ये कपल अपनी हैप्पी मैरीड लाइफ एन्जॉय कर रहा है। ऐसे में अब खबर है कि विक्की जैन ने शुरुआती दिनों में अंकिता से शादी करने के लिए मना कर दिया था। इसका खुलासा खुद अंकिता ने भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के शो में किया है।अंकिता लोखंडे और विक्की जैन हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट का हिस्सा बने थे। इस दौरान दोनों ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासा किए। शो में अंकिता लोखंडे ने खुलासा किया है कि विक्की जैन शुरू में उनसे शादी करने के लिए राजी नहीं थे।हालांकि, इसके पीछे की वजह भी बताई।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 'द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी' पर लगाई रोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शीना बोरा हत्याकांड से जुड़ी नेटफ्लिक्स की डॉक्युसीरीज द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी- बरीड ट्रुथ अपने विषय को लेकर निरंतर खबरों में है, मगर रिलीज से पहले ये कानूनी विवाद में फंस गई है। नेटफ्लिक्स की डॉक्यूसीरीज द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी बरीड ट्रूथ सर से काले बादल छटने का नाम नहीं ले रहे हैं। रिलीज से पहले ही डॉक्यूसीरीज को लेकर नेटफ्लिक्स को नोटिस जारी कर दिया। सीबीआई ने द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी बरीड ट्रूथ की स्ट्रीमिंग पर आपत्ति जताई और कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहीं अब हाल ही में डॉक्यूसीरीज को लेकर सुनवाई हुई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर डॉक्युसीरीज की स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी है, साथ ही रिलीज से पहले जांच एजेंसी को दिखाने के निर्देश दिये हैं।मुंबई की बेहद चर्चित घटना पर नेटफ्लिक्स ने 'द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरीः बरीड ट्रूथ' शीर्षक से डॉक्युसीरीज की घोषणा की थी और कुछ दिनों पहले इसका ट्रेलर जारी किया है। शीना बोरा मर्डर केस की जांच फिलहाल सीबीआई के पास है।जांच एजेंसी ने मुंबई की एक अदालत में डॉक्युसीरीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद एजेंसी ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया। सीबीआई ने उच्च न्यायालय में कहा कि जब तक शीना बोरा मर्डर केस का निपटारा नहीं हो जाता, इस डॉक्युसीरीज को रिलीज ना किया जाए।न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट ने नेटफ्लिक्स से इंद्राणी मुखर्जी पर बनी वेब सीरीज की स्क्रीनिंग रोकने को कहा है।

बड़े मियां छोटे मियां का नया गाना 'मस्त मलंग झूम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' रिलीज के नजदीक बढ़

रही है। दोनों एक्टर्स जोर-शोर से फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इस बीच अब 'बड़े मियां छोटे मियां' का नया गाना मस्त मलंग झूम रिलीज कर दिया गया है, जिसमें एक बार फर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ का ब्रोमैंस देखने को मिल रहा हैबड़े मियां छोटे मियां जैसे- जैसे रिलीज के नजदीक बढ़ रही है। फिल्म से जुड़ी अपेडट सुनने को मिल रही है। फिल्म के टाइटल ट्रैक के बाद अब इसका दूसरा गाना मस्त मलंग झूम रिलीज कर दिया गया है लेकिन ये पिछले सॉन्ग से ज्यादा खास है। मेकर्स ने पहली बार बड़े मियां छोटे मियां से एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा का लुक रिवील किया है।'बड़े मियां छोटे मियां', अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के लिए बेहद खास है, क्योंकि दोनों स्टार्स लगातार फ्लॉप फिल्मों का शिकार हैं।

प्रशांत बालकृष्णनन नायर के इस एस्ट्रोनॉट की पत्नी है साउथ की ये फेमस एक्ट्रेस 40 दिन छुपाए रखी शादी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 का कामयाबी के बाद भारतीय अंतिरक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो गगनयान मिशन को लेकर तैयार है, जिसमें पहली बार एस्ट्रोनॉट् को अंतरिक्ष की सैर के लिए भेजा जाएगा। 27 फरवरी यानी आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गगनयान उड़ान मिशन पर जाने वाले 4 यात्रियों को सम्मानित कर इस अभियान की तैयारियों का जायजा भी लिया।भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के चार एस्ट्रोनॉट्स के नामों का एलान आज किया गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का दौरा कर गगनयान पर जाने वाले इन चारों एस्ट्रोनॉट्स को सम्मानित भी किया। इनमें से एक अतंरिक्ष

यात्री भारतीय वायुसेना के फाइटर पायलट प्रशांत बालकृष्णनन नायर हैं जिनकी पतने साउथ की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं।भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन पर जाने वाले इन चार एस्ट्रोनॉट्स में से एक

है, जिनकी पतने कोई और नहीं बल्कि साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस लीना कुमार हैं। लीना प्रशांत संग अपनी शादी का एलान आज किया है।गगनयान मिशन पर जाने वेा लिए एस्ट्रोनॉट प्रशांत इंडियन एयरफोर्ट के फाइटर पायलट प्रशांत बालकृष्णनन नायर बालकृष्णनन नायर को पीएम मोदी की तरफ से खास सम्मान मिलने के बाद लीना कुमार ने बड़ा खुलासा किया है। लीना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने पति और एस्ट्रोनॉट प्रशांत नायर के साथ नजर आ रही है।इस वीडियो में लीना अपनी शादी की तस्वीरों को भी शामिल रखा है। इस पोस्ट के कैप्शन में लीना कुमार ने इस बात की जानकारी दी है- 17 जनवरी 2024 यानी आज से 40 दिन पहले उन्होंने भारतीय वायुसेना के फाइटर पायटल ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णनन नायर के साथ शादी रचाई थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।